RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से खबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक- 44 | भीलवाड़ा, सोमवार, 11 मई 2026 | पृष्ठ-04 | मूल्य-04 रूपये

ऊर्जा और अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के लिए PM मोदी का बड़ा आह्वानः 'पेट्रोल-डीजल बचाएं, एक साल तक सोना न खरीदें'

▪ स्मार्ट हलचल

नई दिल्ली । वैश्विक अस्थिरता और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से राष्ट्रहित में अपनी जीवनशैली में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करने की अपील की है। रविवार को हैदराबाद में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि वैश्विक संकट के कारण भारत की अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे निपटने के लिए जन-भागीदारी अनिवार्य है।

ईंधन संकटः 'हमारे पास तेल के कुएं नहीं'

प्रधानमंत्री ने दुनिया भर में पेट्रोल, गैस और डीजल की बढ़ती कीमतों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'पड़ोसी क्षेत्रों में जारी युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं। भारत के पास तेल के बड़े भंडार या कुएं नहीं हैं, हमें अपनी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करना पड़ता है। इस संकट का सीधा असर हमारे देश पर पड़ रहा है।'

इस चुनौती से निपटने के लिए पीएम ने निम्नलिखित सुझाव दिएः

वर्क फ्रॉम होम (WFH): जिन क्षेत्रों में संभव हो, वहां कंपनियां और कर्मचारी फिर से 'वर्क फ्रॉम होम' मॉडल अपनाएं ताकि आवाजाही में ईंधन की खपत कम हो।

सार्वजनिक परिवहन का उपयोगः

पीएम ने अपील की कि जिन शहरों में मेट्रो की सुविधा है, वहां लोग निजी वाहनों के बजाय मेट्रो का उपयोग करें।

कारपूलिंगः निजी वाहनों का उपयोग कम करने के लिए 'कारपूलिंग' को बढ़ावा देने की सलाह दी गई।

आर्थिक सुरक्षाः सोने की खरीद और विदेश यात्रा टालने की अपील देश के विदेशी मुद्रा भंडार (Foreign Exchange Reserve) को

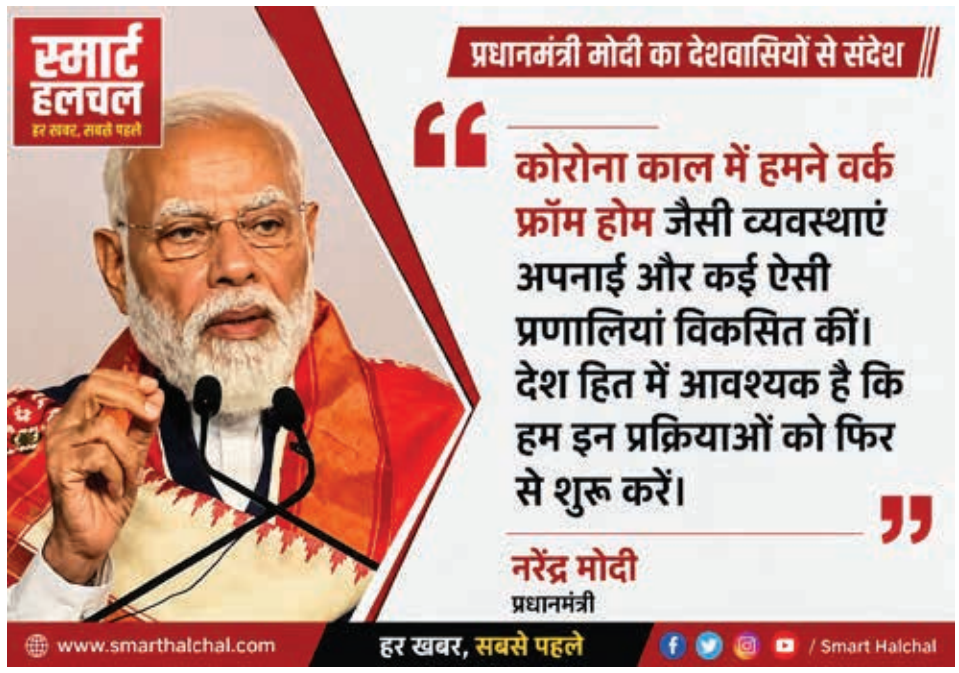

सुरक्षित रखने के लिए प्रधानमंत्री ने एक कड़ा लेकिन आवश्यक आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इतिहास में युद्ध के समय लोग सोना दान कर देते थे, लेकिन आज दान की जरूरत नहीं, बस संयम की जरूरत है।

सोना न खरीदें: पीएम ने देशवासियों से संकल्प लेने को कहा कि अगले एक साल तक किसी भी मांगलिक कार्य या कार्यक्रम के लिए सोना न खरीदें। सोने का भारी आयात देश की विदेशी मुद्रा को कम करता है।

विदेश यात्राः हॉर्मुज संकट और वैश्विक तनाव को देखते हुए उन्होंने नागरिकों से अगले एक साल तक अपनी विदेश यात्राएं टालने का भी आग्रह किया।

आत्मनिर्भरता की ओर कदम प्रधानमंत्री का यह संदेश स्पष्ट करता है कि सरकार वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए एहतियाती कदम उठा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि नागरिक पेट्रोल-डीजल की बचत करेंगे और विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम करेंगे, तो भारत इस वैश्विक आर्थिक संकट से मजबूती से बाहर निकल सकेगा।

तमिलनाडु को मिला नया नेतृत्वः विजय बने राज्य के 9वें मुख्यमंत्री

ऐतिहासिक बदलावः विजय ने ली तमिलनाडु के 9वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ; 60 साल बाद DMK-AIADMK का किला ढहा

▪ स्मार्ट हलचल

चेन्नई | तमिलनाडु की राजनीति में रविवार को एक नए युग का सूत्रपात हुआ। सुपरस्टार से राजनेता बने विजय ने चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह में राज्य के 9वें मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस शपथ ग्रहण के साथ ही तमिलनाडु में पिछले छह दशकों से चले आ रहे द्रविड़ राजनीति के दो स्तंभों—DMK और AIADMK—के एकाधिकार का अंत हो गया है। 1967 के बाद यह पहली बार है जब इन दो दलों के अलावा किसी तीसरे पक्ष ने राज्य की सत्ता संभाली है।

शपथ ग्रहण और राज्यपाल का हस्तक्षेप

समारोह के दौरान उस वक्त एक असामान्य स्थिति उत्पन्न हो गई जब मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के तुरंत बाद विजय मंच से जनता को संबोधित करने लगे। परंपरा के अनुसार, शपथ ग्रहण के दौरान केवल निर्धारित प्रारूप ही पढ़ा जाता है। जैसे ही विजय ने अपना भाषण शुरू किया, राज्यपाल ने उन्हें बीच में ही टोकते हुए शिष्टाचार की याद दिलाई। हालांकि, इस मामूली टोका-टाकी के बावजूद समर्थकों का उत्साह कम नहीं हुआ और पूरा स्टेडियम नारों से गूंज उठा

पहला फैसलाः 200 यूनिट मुफ्त बिजली

विजय ने 'एक्शन मोड' में आते हुए मंच पर ही अपनी पहली सरकारी फाइल पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला आधिकारिक आदेश राज्य के आम नागरिकों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का है। अपनी चुनावी घोषणाओं को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया है कि उनकी सरकार का ध्यान जनकल्याणकारी योजनाओं पर केंद्रित रहेगा। विजय के साथ 9 अन्य विधायकों ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

पेरियार स्मारक का दौरा और वैचारिक संदेश

शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री विजय सीधे 'पेरियार मेमोरियल' पहुंचे, जहां उन्होंने द्रविड़ आंदोलन के जनक ई.वी. रामास्वामी 'पेरियार' को श्रद्धांजलि अर्पित की। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सत्ता संभालते ही पेरियार स्मारक जाना इस बात का संकेत है कि भले ही उन्होंने DMK-AIADMK के विकल्प के रूप में जीत हासिल की है, लेकिन वे राज्य की मूल 'द्रविड़ विचारधारा' और 'सामाजिक न्याय' के एजेंडे को साथ लेकर चलेंगे।

विवादों से घिरा रहा पहला दिन

मुख्यमंत्री के रूप में विजय का पहला दिन केवल उत्सव तक सीमित नहीं रहा। शपथ ग्रहण के कुछ ही घंटों के भीतर दो बड़े विवाद भी सामने आए:

भाषण पर विवादः विपक्षी दलों ने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भाषण देने की कोशिश को 'संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन' बताया है।

प्रशासनिक प्रोटोकॉलः मंच पर ही सरकारी फाइल साइन करने की जल्दबाजी को लेकर कुछ प्रशासनिक विशेषज्ञों ने सवाल उठाए हैं कि क्या यह केवल एक लोकलुभावन कदम (पॉपुलिज्म) है।

60 साल का रिकॉर्ड टूटा

तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास में यह दिन स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है। 1967 में सी.एन. अन्नादुरई की जीत के बाद से राज्य की सत्ता बारी-बारी से DMK और AIADMK के पास ही रही थी। विजय की इस जीत ने न केवल इस चक्र को तोड़ा है, बल्कि यह भी साबित किया है कि तमिलनाडु की जनता अब नए विकल्प की ओर देख रही है।

जनता पर महंगाई की दोहरी मार, अब साबुन-बिस्कुट से लेकर राशन तक हो सकते हैं महंगे

कच्चे तेल, पैकेजिंग और ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ने से एफएमसीजी कंपनियों ने दिए संकेत, आम आदमी का घरेलू बजट बिगड़ने की आशंका

▪ स्मार्ट हलचल

दिल्ली । देश में पहले से महंगाई की मार झेल रही आम जनता को अब रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के लिए और अधिक खर्च करना पड़ सकता है। फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर की बड़ी कंपनियों ने संकेत दिए हैं कि आने वाले समय में साबुन, डिटर्जेंट, बिस्कुट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ, सौंदर्य प्रसाधन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ सकते हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उछाल, पैकेजिंग सामग्री की बढ़ती लागत, परिवहन खर्च और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आ रही बाधाओं के कारण कंपनियों के मुनाफे पर भारी दबाव बना हुआ है। ऐसे में हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर, ब्रिटानिया और नेस्ले जैसी बड़ी कंपनियां कीमतों में चरणबद्ध बढ़ोतरी की तैयारी कर रही हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आने वाले महीनों में कच्चे माल और ईंधन की कीमतों में राहत नहीं मिली, तो महंगाई का सीधा असर आम लोगों की रसोई और घरेलू बजट पर दिखाई देगा।

पहले ही बढ़ चुके हैं कई उत्पादों के दाम

एफएमसीजी कंपनियों के अधिकारियों ने हालिया तिमाही नतीजों के दौरान स्पष्ट संकेत दिए कि कई उत्पादों की कीमतें पहले ही तीन से पांच प्रतिशत तक बढ़ाई जा चुकी हैं। अब परिस्थितियां नहीं सुधरने पर आगे और बढ़ोतरी की संभावना है।

कंपनियों का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान संघर्ष के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है। इससे कच्चे माल, लॉजिस्टिक्स और पैकेजिंग लागत में लगातार वृद्धि हो रही है। वहीं डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने आयात आधारित लागत को और बढ़ा दिया है।

छोटे पैकेट बचाने की कोशिश, लेकिन मात्रा घट सकती है

महंगाई के असर को कम दिखाने के लिए कंपनियां एक नई रणनीति पर भी काम कर रही हैं। कंपनियां सीधे कीमत बढ़ाने के साथ-साथ पैकेट का वजन या मात्रा घटाने का विकल्प भी अपना सकती हैं। यानी ग्राहक को पहले जितने पैसे में कम मात्रा का उत्पाद मिल सकता है।

कंपनियों ने क्या कहा?

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के मुख्य वित्त अधिकारी निरंजन गुप्ता ने कहा कि कंपनी पर आठ से दस प्रतिशत तक महंगाई का दबाव पड़ा है। कंपनी कई उत्पादों के दाम दो से पांच प्रतिशत तक बढ़ा चुकी है और यदि कमोडिटी

कीमतों में दबाव जारी रहा तो आगे और बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है।

नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने मौजूदा हालात को बेहद अस्थिर बताते हुए कहा कि अगले कुछ महीनों की स्थिति का अनुमान लगाना कठिन है, इसलिए कंपनियों को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा।

मध्यम वर्ग और ग्रामीण उपभोक्ताओं पर सबसे ज्यादा असर

विशेषज्ञों का मानना है कि महंगाई की यह नई लहर सबसे ज्यादा असर मध्यम वर्ग और ग्रामीण परिवारों पर डालेगी। रोजमर्रा के खर्च में बढ़ोतरी होने से घरेलू बचत प्रभावित हो सकती है।

साबुन, तेल, चाय, बिस्कुट, मसाले, पैकेज्ड फूड और अन्य जरूरी सामान महंगे होने से रसोई का बजट बिगड़ सकता है। पहले से बढ़ती बिजली, गैस और पेट्रोल-डीजल की कीमतों के बीच यह बढ़ोतरी आम आदमी के लिए अतिरिक्त बोझ साबित हो सकती है।

शादी के तीन दिन बाद जेवर और नकदी लेकर फरार हुई 'लुटेरी दुल्हन', 7 पर मामला दर्ज

▪ स्मार्ट हलचल

माण्डलगढ़ / क्षेत्र में लुटेरी दुल्हन गिरोह का मामला सामने आया है। बीगोद थाना क्षेत्र के जोजवा गांव के अम्बानी जाट ने आरोप लगाया है कि शादी के महज तीन दिन बाद ही उसकी दुल्हन सोने-चांदी के जेवर और करीब 3 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गई। पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं होने पर पीड़ित ने कोर्ट की शरण ली, जिसके आदेश पर अब 7 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

दलाल ने कराई थी शादी, तलाशने पर मिली धमकी

- एसपी व थाने में सुनवाई नहीं होने पर पीड़ित ने पेश किया था न्यायालय में परिवाद।
- बीगोद थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर खुशी जाट सहित 7 आरोपियों पर किया मामला दर्ज।
- थाना प्रभारी जय सुल्तान के नेतृत्व में पुलिस ने शुरू की मामले की गहन जांच।

पीड़ित के अनुसार, दलाल कालूलाल धाकड़ ने एक लाख रुपये

लेकर मानपुरा निवासी खुशी जाट के साथ रिश्ता तय कराया था। 27 फरवरी 2025 को शादी के दौरान भारी मात्रा में जेवर व नकदी दी गई थी। तीन दिन बाद दुल्हन सब कुछ लेकर फरार हो गई। जब पीड़ित ने दुल्हन को तलाशा तो पता चला कि वह किसी और के साथ चली गई है। 19 जनवरी 2026 को आरोपियों ने उसे बीच रास्ते रोककर तलाक देने और जान से मारने की धमकी दी।

बिजोलिया मंडी में बिकने आ रही गेहूं की ट्रॉली सीताकुंड के समीप पलटी, लंबे समय से क्षतिग्रस्त मार्ग बना कारण

गंभीर घायलों को किया प्राथमिक उपचार के बाद किया बूंदी रेफर

▪ स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ/बिजोलिया से शकरगढ़, महुआ, काछोला आदि को जोड़ने वाला सड़क मार्ग लंबे समय आमजन के लिए पीड़ा का सबक बना हुआ है|

इस आमजन की पीड़ा को सुनने वाला कोई धनी - धोरी नहीं है, इसी के तहत बीते कल शनिवार को श्यामपूरा से बिजोलिया मंडी में बिकने आ रही गेहूं की ट्रॉली इस जर्जर और बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील क्षतिग्रस्त सडक का शिकार हुई जिसमें चालक और और हेल्पर गंभीर रूप से घायल हुए, जिन्हे उन्द्रो का खेड़ा प्राथमिक उपचार के बाद बूंदी अस्पताल में रेफर किया गया|

कृषक गजराज ने बताया है कि लंबे समय से इस सड़क की सुध लेने वाला कोई नहीं बस केवल कागजों में ही काम होता है | वहीं प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है और राजनीतिक में आम लोगों के साथ छलावा हुआ है |

गौरतलब है की- इस सड़क में अब तक अनेक जन काल का ग्रास बन चुके है| जिनकी व्यथा और पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं|

छह महीने बाद शिकंजे में आया ईनाणी की 'हत्या का मास्टरमाइंड'!

भाजपा नेता रमेश ईनाणी हत्याकांड में बड़ा धमाका, 50 हजार का इनामी रमता राम गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

जमीन विवाद की आग में झोंकी गई थी जान, अब खुलेंगे साजिश के काले राज!

शाहपुरा /चित्तौड़गढ़ के बहुचर्चित रमेश ईनाणी हत्याकांड में रविवार को आखिरकार पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। करीब 6 महीने से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार घूम रहा मुख्य आरोपी रमता राम अब सलाखों के पीछे पहुंच गया है। कोतवाली थाना पुलिस ने रविवार को उसे दबोच लिया। पूरे जिले में सनसनी फैला देने वाले इस हत्याकांड में रमता राम को 'मास्टरमाइंड' माना जा रहा है। 11 नवंबर 2025 को कृष्णा नगर निवासी भाजपा नेता और कुरियर व्यवसायी रमेश चंद्र ईनाणी रोज की तरह स्कूटी से दुकान के लिए निकले थे। जैसे ही वे सिटी पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, पीछे से बाइक पर आए बदमाश ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगते ही इलाके में चीख-पुकार मच गई। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उदयपुर रेफर करने के बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दिनदहाड़े हुई इस हत्या ने पूरे चित्तौड़गढ़ को हिला दिया था। हत्या के बाद व्यापारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और आम लोगों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा था। जगह-जगह प्रदर्शन हुए, पुलिस पर सवाल उठे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग ने तूल पकड़ लिया। दबाव इतना बढ़ा कि पुलिस को अलग-अलग टीमें बनाकर जांच तेज करनी पड़ी।

जांच में सबसे पहले उत्तर प्रदेश के वाराणसी निवासी शूटर मनीष कुमार उर्फ कमल दुबे को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद कहानी में एक-एक कर कई चेहरे सामने आते गए। सिरोही निवासी भजनाराम, मिर्जापुर निवासी अरविंद उर्फ कृपानाथ दुबे की गिरफ्तारी ने साफ कर दिया कि हत्या कोई अचानक हुआ हमला नहीं, बल्कि पूरी प्लानिंग के साथ रची गई खूनी साजिश थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि रमता राम और रमेश ईनाणी के बीच करीब 30 साल पुराना जमीन विवाद चल रहा था। इसी रंजिश ने आखिरकार खून की शक्ल ले ली। पुलिस के अनुसार रमता राम ने सुपारी देकर हत्या करवाई और वारदात के बाद भूमिगत हो गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने पहले 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया, जिसे बाद में उदयपुर रेंज के आईजी गौरव श्रीवास्तव ने बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दिया। तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र के जरिए आखिरकार पुलिस ने उसे दबोच लिया। चैंकाने वाली बात यह भी है कि आरोपी रमता राम पहले रामस्नेही संप्रदाय से जुड़ा संत रह चुका है। हत्या में नाम सामने आने के बाद उसे संप्रदाय से निष्कासित कर दिया गया था। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस को उम्मीद है कि इस हत्याकांड से जुड़े कई और सनसनीखेज राज सामने आ सकते हैं। पूरे जिले की नजर अब पुलिस पूछताछ और आगे होने वाले खुलासों पर टिकी हुई है।

डंपर-ट्रेलर में भिड़ंत, दोनों वाहनों में लगी भीषण आग

▪ स्मार्ट हलचल

जहाजपुर । नेशनल हाईवे 148D कोटा रोड पर शक्करगढ़ चौराहे के नजदीक देर रात डंपर और ट्रेलर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई, जिससे वे जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत यह रही कि इस भयानक हादसे में दोनों चालक बाल-बाल बच गए।

पशु को बचाने के प्रयास में हादसा

जानकारी के अनुसार, हाईवे पर अचानक एक आवारा पशु के आ जाने के कारण यह हादसा हुआ। पशु को बचाने के प्रयास में दोनों भारी वाहन आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहनों में तुरंत आग भड़क उठी। सूचना मिलते ही जहाजपुर नगरपालिका की दमकल मौके पर पहुंची और जहाजपुर पुलिस की मदद से काफी

मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

एसआई देवराज सिंह ने बताया कि हादसे के बाद हाईवे पर यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित रहा।

पुलिस की टीम ने कड़ी मशक्कत कर यातायात को करवाया सुचारू। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी है।

जाम में फंसी दमकल, 20 मिनट तक थमी राहत; सड़क पर लग रही मंडी से रोजाना लग रहा जाम

▪ स्मार्ट हलचल

जहाजपुर । कस्बे में अंबेडकर सर्किल से नगर पालिका तक रोजाना लगने वाला जाम लोगों की बड़ी चिंता का कारण बन गया है। रविवार सुबह एक अग्निशमन वाहन करीब 15 से 20 मिनट तक जाम में फंसा रहा, जिससे लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी दिन आगजनी या गंभीर हादसे की स्थिति बन जाए तो यह जाम जानलेवा साबित हो सकता है।

सड़क पर सज रही सब्जी मंडी

नागरिकों के अनुसार, शाहपुरा रोड पर सुबह 6 बजे से 9 बजे तक सब्जी विक्रेता सड़क पर ही अपना सामान रख देते हैं और ग्राहक भी अपने वाहन आड़े-तिरछे खड़े कर देते हैं। इससे सड़क संकरी हो जाती है। रविवार को भी इसी अव्यवस्था के चलते अग्निशमन वाहन जाम में फंसा रहा। इसी मार्ग से आपातकालीन वाहन भी गुजरते हैं, जिससे हर समय बड़े हादसे का डर बना रहता है।

नई राज्यास ग्राम पंचायत में नियमित सफाई नहीं होने से जलभराव व गंदगी..

▪ स्मार्ट हलचल

गांव में नालिया समय पर नहीं हो रही सफाई कचरे के ढेर जमा..

शाहपुरा/ नई राज्यास गांव में सगस महाराज मंदिर के निकट नाले की सफाई समय पर नहीं होने से जलभराव व कचरा एकत्रित हो रहा है।ग्रामीण शिवराज गुर्जर ने बताया कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में समय पर सफाई नहीं होने से अव्यवस्थाओं का आलम दिखाई दे रहा है। नाले की सफाई नहीं होने से नाला चौक हो रहा है जिससे पानी की निकासी नहीं होती है।गुर्जर ने बताया कि कई बार उच्च अधिकारियों को कहा ग्राम पंचायत सरपंच को भी सूचना दी लेकिन सुनवाई नहीं हुई जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।तथा लंबे समय से जलभराव के कारण बीमारियां फैलने की आशंका जताई गई।निकट ही धार्मिक स्थान है गंदगी और बदबू से भक्तों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

बानोड़ा बालाजी धाम में 108 कुण्डीय महायज्ञ 27 से, तैयारियां जोरों पर

▪ स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। क्षेत्र के प्रसिद्ध बानोड़ा बालाजी धाम में श्री राम कृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ के तहत 108 कुण्डीय सप्त दिवसीय महायज्ञ एवं पाटोत्सव 27 मई से 2 जून तक आयोजित होगा। श्री बानोड़ा बालाजी महाराज के सान्निध्य में होने वाले इस आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। समिति द्वारा श्री राम दिव्य रथ के माध्यम से गांव-गांव दशांश हवन का संदेश पहुंचाया जा रहा है। महायज्ञ में श्री मूल नक्षत्र श्री निरृति देव यज्ञ एवं श्री पूर्वाभाद्र नक्षत्र श्री जल देव यज्ञ भी होंगे।

26 को निकलेगी विशाल कलश यात्रा

महायज्ञ के शुभारंभ से पूर्व 25 मई को गणपति स्थापना होगी। 26 मई को 27 गांवों से श्री नारायण रथ (बेवाण) एवं विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें हाथी, घोड़े, रथ और भजन मंडलियां शामिल रहेंगी। महायज्ञ का शुभारंभ 27 मई (ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी) को होगा। आयोजन के दौरान प्रतिदिन भजन संध्या व देवी-देवताओं की इलेक्ट्रॉनिक झांकियां सजाई जाएंगी।

सात दिवसीय महायज्ञ का समापन

2 जून को पूर्णाहुति के साथ होगा।

2 जून को दोपहर 2:15 बजे श्री चारभुजानाथजी एवं श्री यज्ञ लक्ष्मीजी का होगा विराट पाणिग्रहण संस्कार।

समापन के अवसर पर आयोजित होगी विशाल महाप्रसादी।

सालरियाकला - बरण रोड पर बैरवा मोहल्ले में नालियों का पानी सड़कों पर, राहगीर परेशान

▪ स्मार्ट हलचल

बनेड़ा - उपखण्ड मुख्यालय से सालरियाकला - बरण रोड स्थित बैरवा मौहल्ला मे जाने वाले रास्ते पर नाले के अवरूद्ध होने के कारण नालियो का पानी आम रास्ते पर फैल रहा है। जिसके कारण यहाँ पर से निकलने वाले राहगीरों के साथ ही दुपहिया वाहन चालकों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। मगर फिर भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

वरिष्ठ नागरिक मंच की मासिक बैठक सम्पन्न, बच्चा आशा और कल्पना में जीता है जबकि युवा वर्तमान में - स्वामी सत्यानंद

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । छोटा बच्चा भविष्य में जीता है वह हमेशा आगे की सोचता है कि कल क्या होगा, बड़ा होकर क्या बनूंगा। अर्थात बच्चा आशा और कल्पना में जीता है जबकि युवा वर्तमान में जीता है, युवावस्था कर्म और संघर्ष का समय है। युवा आज को सुधारने, लक्ष्य पाने, काम करने और जीवन बनाने में लगा रहता है और बूढ़ा व्यक्ति अतीत में जीता है। बुढ़ापे में व्यक्ति अपने अनुभव, यादें, सफलताएँ और बीते दिनों को याद करता रहता है। वह अक्सर कहता है हमारे समय में ऐसा होता था। यानी वह स्मृतियों और अनुभवों में जीता है। हमे बूढ़ा नहीं, वरिष्ठ बनना है क्योंकि आज जो कुछ भी हमारे पास है वह कल टूट जाएगा या फूट जायेगा और कुछ नहीं तो छूट तो जाएगा ही। तो फिर हम क्यों शरीर,संबंधियों और संपत्ति के पीछे पड़े हैं । हमें एक दिन ये सभी छोड़ कर जाना ही हैं। यह विचार परम पूज्य स्वामी सत्यानंद सरस्वती वृंदावन वालो ने वरिष्ठ नागरिक मंच की मासिक बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सब को पता है कि हमें एक दिन सबकुछ छोड़ कर जाना है परंतु इसे स्वीकार कोई नहीं करता। जीवन अनुभव का विषय है, विचार का नहीं। हमारा मन यदि शांत हो जाए तो जीवन आनंदमय बन जाता है। अतः हमें हर परिस्थिति में आनंद से रहना आना चाहिए। अध्यक्ष मदन खटोड़ ने बताया कि 'वरिष्ठ नागरिक मंच' की आयोजित होने वाली प्रत्येक मासिक बैठक में किसी न किसी संत, महात्मा, डॉक्टर्स, किसी बीमारी के विशेष जानकार चिकित्सीय विशेषज्ञ, ध्यान, योग, अन्य किसी भी विषय के विशेषज्ञों आदि को बुला कर उनके विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में आज स्वामी सत्यानंद सरस्वती का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। बैठक में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन के पश्चात महिला सचिव वीणा खटोड,भजन प्रभारी मंजुलता भट्ट एवं उर्मिला माहेश्वरी ने पूरा वन्देमातरम का गायन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संचालन करते हुए महासचिव कृष्ण गोपाल सोमानी ने बताया कि नए बने सदस्य रामजस विजयवर्गीय एवं आशा विजयवर्गीय का, मई माह जिन सदस्यों का जन्मदिन है उनका और हाल ही में देहदान की घोषणा करने वाले सदस्य राधेश्याम शर्मा का तिलक माला उपरना आदि से स्वागत किया गया। यात्रा प्रभारी अरुण कुमार आचार्य ने हाल ही में संपन्न 40 सदस्यों की यूरोप यात्रा का विवरण प्रस्तुत कर बहुत ही ज्ञानवर्धक जानकारी साझा की। बैठक में दामोदर अग्रवाल (निरमा वाले), ललिता अग्रवाल, मूलचंद बाफना, शकुंतला बाफना,भूतपूर्व सैनिक रतन देव शर्मा, गणेश लाल गुप्ता,गायत्री देवी गुप्ता, रजनी देवी जैन,रवींद्र जैन, कन्हैया लाल मूंदड़ा,सुरेश न्याति,ओम प्रकाश बूलिया आदि का मंच को प्रदान किए गए सहयोग हेतु विशेष सम्मान किया गया। स्वागत भाषण श्याम कुमार डाड ने दिया और धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त महासचिव कैलाश चंद्र सोमानी ने किया।बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बसंती लाल मूंदड़ा, कैलाश चंद्र पुरोहित,प्रमोद कुमार तोषनीवाल,सुशील बंसल बालमुकंद मोदी,उमा शंकर शर्मा,दिनेश भट्ट,सुरेश पटवारी,विजयलक्ष्मी सोमानी ,सरोज अग्रवाल,जतन हिंगड,रमा पुरोहित ,पुष्पा तोषनीवाल ,मंजू खटवड आदि उपस्थित थे।

चामुण्डा माँ मुर्ति एवं शिखर प्रतिष्ठा महोत्सव की पूर्णाहुति

▪ स्मार्ट हलचल

बनेड़ा - उपखण्ड सर्किल के सरदारनगर ग्राम में स्थित श्री श्री 1008 महामाया चामुण्डा माँ मुर्ति एवं शिखर प्रतिष्ठा महोत्सव की रविवार को पुर्णाहुति के साथ ही आठ दिवसीय महोत्सव सम्पन्न हुआ।

समस्त ग्राम वासी एवं भक्तगण सरदारनगर के संयुक्त तत्वावधान में 3 से 10 मई तक आयोजित महोत्सव के अंतिम दिन रविवार को को प्रात 8.15 बजे शुभ मुहूर्त में पुर्व राजपरिवार के सदस्य गोपाल चरण सिसोदिया दादु द्वारा आश्रम के मंहत रामदास जी महाराज, गणपत दास जी महाराज , प्रशासक बालूराम जाट,पूर्व पंचायत समिति सदस्य रामलाल तेली,पूर्व उप प्रधान गोपाल माली कल्याण सिंह राणावत रतन सिंह राणावत शंकर कुमावत,सुरेश जाट, ख्याली लाल कुमावत,सम्पत माली, ,कैलाश गिरी,माधु लाल कुम्हार,रामस्वरूप भावन्दा, धनराज कुमावत,भेरू गाडरी, शिवा माली, कालू तेली, ओमप्रकाश गिरी सहित उपस्थित जन समूह की उपस्थिति में विधी विधान से जयकारों के बीच मां चामुण्डा की मुर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही मदिर के शिखर पर कलश स्थापना सम्पन्न हुई। इसके पश्चात

पंच कुंडिय शिव शक्ति महायज्ञ में यज्ञाचार्य पं पवन व्यास के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बिच पुर्णाहुति यज्ञ में यजमानों द्वारा आहुतियां दी गई।इसके पश्चात महाआरती के बाद प्रातः 11.15 बजे से महाप्रसादी का आयोजन शुरू हुआ। इससे पुर्व शनिवार रात्री मदिर परिसर में विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक जगदीश वैष्णव और पुषा लाल माली के द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई।

चोरी ओर नकबजनी के मामलों में वांछित शातिर अपराधी जगदीश कंजर गिरफ्तार, कई थानों की पुलिस खोज रही थी अपराधी को, ईनाम था घोषित

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा-राजस्थान के पूर्व पुर थाना पुलिस ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए चोरी एवं नकबजनी के प्रकरणों मे वांछित अपराधी जगदीश कंजर को गिरफ्तार कर लिया है । आरोपी एक साल से फरार चल रहा था और ईनामी अपराधी था। थाना कुंवारिया जिला राजसमंद तथा थाना आसीन्द जिला भीलवाडा मे पांच-पांच हजार रूपये का ईनामी अपराधी है जगदीश कंजर। अपराधी थाना कारोई व थाना करेडा मे भी नकबजनी के प्रकरणो मे वांछित है। एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जघन्य अपराधो एवं संपत्ति संबंधित अपराधो मे वांछित अपराधियों की धरपकड के लिए अभियान चलाया जा रहा है इस हेतु वृद्धराज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाडा के निर्देशन में व मांडल वृत्ताधुनरी राहुल जोशी के निकटतम सुपरविजन मे विशेष टीम का गठन किया जिसका नेतृत्व कन्हैया लाल थानाधिकारी थाना पुर ने किया।

अभियुक्त जगदीश कंजर अपने साथियों के साथ मिलकर रात के समय धार्मिक स्थानों पर चोरी करने, मंदिरो से छत्र एवं सोना चांदी के आभुषण चोरी करने की घटनाएं कारित करता है, जिसके विरूद्ध थाना कारोई, थाना करेडा, थाना आसीन्द जिला भीलवाडा एवं थाना कुंवारिया जिला राजसमंद मे धार्मिक स्थानों पर चोरी के प्रकरण दर्ज है । आरपी शातिर प्रवृति के है घटना के बाद से ही आरोपी फरार हो गये, जिनकी तलाश की जा रही थी। वांछित अपराधियो की धरपकड हेतु गठित टीम ने थाना सर्कल के देवली गांव मे स्थित जुरायम पेश कौम के डेरो पर दबिश देकर वांछित अपराधी जगदीश कंजर पिता बंशी लाल कंजर उम्र 46 साल निवासी देवली थाना पुर जिला भीलवाडा को डिटेन किया गया। उक्त जगदीश कंजर थाना आसीन्द मे नकबजनी के प्रकरण मे वांछित होकर अपराधी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ने 5000 रूपयों का ईनाम रखा तथा जिला राजसमन्द के थाना कुंवारिया मे भी नकबजनी के प्रकरण मे वांछित होने से 5000 रूपये का ईनामी अपराधी है। इसके अतिरिक्त आरोपी भीलवाडा जिले के ही थाना कारोई व थाना करेडा मे भी नकबजनी के प्रकरणो मे वांछित है। पुलिस टीम मे चंद्रवीर सिंह हैड कांस्टेबल, रामचन्द्र एचसी, राजवीर सिंह (विशेष योगदान), विनोद कुमार (विषेश योगदान), सुर्य प्रकाश, विरेन्द्र कुमार, जगदीश , जगदीश, मुकेsh कुमार शामिल रहे ।

कैंची धाम स्थापना दिवस पर भीलवाड़ा में होगा भव्य विशाल भंडारे का आयोजन

▪ स्मार्ट हलचल

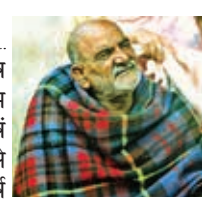

भीलवाड़ा । नीब करौरी बाबा की असीम कृपा, आशीर्वाद एवं भक्तों की अपार श्रद्धा से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कैंची धाम स्थापना दिवस के पावन अवसर पर भीलवाड़ा में भव्य विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यह पावन आयोजन दिनांक 15 जून 2026 को श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा भाव के साथ सम्पन्न होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु एवं भक्तजन प्रसादी ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम को लेकर भक्तों में भारी उत्साह का माहौल है। आयोजन स्थल को आकर्षक सजावट, भक्ति संगीत, बाबा जी के जयकारों एवं आध्यात्मिक वातावरण से भक्तिमय बनाया जाएगा। पूरे आयोजन में सेवा, समर्पण और मानवता का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। भंडारे में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी, पेयजल एवं बैठने की विशेष व्यवस्था की जाएगी। बाबा जी के भक्तगण पूरे प्रेम एवं सेवा भाव के साथ व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। आयोजकों ने बताया कि आप सभी के सहयोग एवं आशीर्वाद से ही यह आयोजन सफल, भव्य एवं ऐतिहासिक रूप ले सकेगा। शहर एवं आसपास क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त करने एवं प्रसादी ग्रहण करने की विनम्र अपील की गई है। इस आयोजन समिति में प्रमुख रूप से — हेमेंदर अधिकारी,गजेन्द्र सिंह, दामोदर मूंदड़ा,सुशील लड्डा,विनिल गुप्ता, रूबल सिंह, प्रदीप नेगी, एड़वोकेट विशाल गुप्ता, सूरज मोटवानी, महिपाल सिंह, संजीव सेठ, गोविंद अधिकारी, अभिमन्यु चौबे, सतेंदर पारीक, संजय पारीक, एवं निरभव गंभीर,बंटू शामिल हैं। भंडारे की जानकारी मीडिया प्रभारी एम.एच.आर. भीलवाड़ा द्वारा दी गई।

आर्म्स एक्ट में हार्डकोर ओर हिस्ट्रीशीटर अपराधी सांवर लाल गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । अवैध फायर आर्म्स के विरुद्ध पुलिस थाना फुलियाकला एवं डीएसटी भीलवाडा ने प्रभावी कार्यवाही को अंजाम दिया ओर अवैध फायर आर्म्स के मामले में फुलियाकला के हार्डकोर अपराधी एवं एच.एस. सांवर लाल गुर्जर को गिरफ्तार किया । आरोपी सांवर लाल गुर्जर के विरूद्ध पूर्व मे 6 मामले दर्ज हैं । एसपी धर्मेन्द्र सिंह के आदेश पर आर्म्स एक्ट के प्रकरणों मे वांछित अपराधियों की धरपकड व आर्म्स एक्ट के तहत अधिकाधिक कार्यवाही के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत शाहपुरा ए एस पी राजेश आर्य के निर्देशन व ओमप्रकाश विष्नोई वृत्ताधिकारी वृत्त शाहपुरा के सुपरविजन में और कन्हैयालाल प्रभारी डीएसटी भीलवाडा एवं थाना प्रभारी राजकुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर कार्यवाही को अंजाम दिया गया। दिनांक 10.05.2026 को थानाधिकारी राजकुमार मय जाप्ता के हल्का गश्त कर रहे थे इस दौरान कालुराम धायल हैड कांस्टेबल डीएसएटी ने बताया कि सांगरिया की तरफ से एक आदमी जो बिना नम्बरी स्पलेण्डर मोटरसाईकिल लेकर धनोप की तरफ आ रहा है जिसके पास में अवैध पिस्टल मय कारतूस हो सकते है उक्त सूचनां पर धनोप माता तिराया पर पहुचे जहां एक आदमी बिना नम्बरी स्पेलण्डर मोटरसाईकिल लेकर आता नजर आया जिसको रोककर नाम पता पुछा तो अपना नाम सांवरलाल पिता रामस्वरूप गुर्जर उम्र 33 साल निवासी सांगरिया पुलिस थाना फूलियाकलां जिला भीलवाडा होना बताया उक्त व्यक्ति व मोटरसाईकिल की तलाशी ली तो मोटरसाईकिल के लगे बेग मे से 1 लोहे का पिस्टल नुमा हथियार मिला। पिस्टल की मैग्जीन में 3 जिंदा कारतूस लगे हुये मिले। सांवरलाल गुर्जर से उक्त अवैध हथियार अपने कब्जे में रख परिवहन करने का लाईसेन्स व परमिट मांगा तो नही होना बताया। जिस पर सांवरलाल गुर्जर को पिस्टल मय मैग्जीन मय 3 कारतुस के साथ गिरफ्तार कर बिना नम्बरी मोटरसाईकिल को जब्त किया ।

1100 वर्षों तक भूगर्भ में विराजित रही दिव्य प्रतिमाओं सहित 9 प्रतिमाएं नई राज्यास के भव्य दिगम्बर जिनालय में 18 को होगी विराजमान होंगी..

धनोप की मिट्टी से भूगर्भ से 2001 में प्रकट हुईं प्राचीन जैन प्रतिमाएं,अब 2 करोड़ की लागत से बने भव्य जिनालय में होगा ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव..

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा/ नई राज्यास आज यह केवल एक गांव नहीं, बल्कि जैन धर्म की आस्था, तपस्या और चमत्कारिक इतिहास का जीवंत प्रतीक बनने जा रहा है। यहां की पावन धरा पर वह अलौकिक क्षण आने जा रहा है,जब 1100 वर्षों तक भूगर्भ में विराजित रही दिव्य प्रतिमाएं भव्य दिगम्बर जिनालय में विराजमान होंगी। सदियों पुरानी दिव्यता अब पुनः श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए प्रकट होने जा रही है।नई राज्यास के गोदा परिवार के तीन घरों द्वारा संयुक्त रूप से करीब 2 करोड़ रुपए की लागत से विशेष पाषाण शैली में निर्मित यह जिनालय आज दूर-दूर तक श्रद्धा और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।वियतनाम के सफेद पत्थर और बंशीपुर पहाड़ के विशेष पाषाण से निर्मित मंदिर अपनी अद्भुत नक्काशी,विशाल शिखरों और दिव्य स्थापत्य से पहली नजर में ही आध्यात्मिक अनुभूति कराता है। गोदा परिवार के कमल गोदा और राजकुमार गोदा का कहना है कि सन 2001 में धनोप में नदी की खुदाई 1100 वर्षों पुरानी भगवान आदिनाथ, पारसनाथ भगवान, नंदीश्वर द्वीप की प्रतिमाएं निकाली थी उनका कहना है कि वर्ष 2001 में धनोप क्षेत्र में सामान्य खुदाई के दौरान किसी को अंदाजा नहीं था कि मिट्टी के नीचे सदियों पुराना धार्मिक इतिहास छिपा बैठा है। अचानक खुदाई के दौरान प्राचीन दिगम्बर जैन प्रतिमाएं निकलनी शुरू हुईं। भगवान आदिनाथ, पारसनाथ भगवान, नंदीश्वर द्वीप की प्रतिमाएं निकाली।इन दिव्य प्रतिमाओं को देखकर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। श्रद्धालुओं ने इसे धर्म का चमत्कार माना। जैसे-जैसे मिट्टी हटती गई, वैसे-वैसे इतिहास स्वयं प्रकट होता गया। सूचना मिलते ही नई राज्यास से गोदा परिवार धनोप पहुंचा और पूरे श्रद्धाभाव के साथ इन दिव्य प्रतिमाओं को गांव लेकर आया। इसके बाद 23 मई 2001 को गांव के छोटे मंदिर में इन प्रतिमाओं की वेदी प्रतिष्ठा की गई।वर्षों तक श्रद्धालु उसी छोटे मंदिर में भगवान के दर्शन करते रहे। लेकिन समय के साथ मंदिर जीर्ण-शीर्ण होने लगा। तब गोदा परिवार ने संकल्प लिया कि इन चमत्कारिक प्रतिमाओं के लिए ऐसा जिनालय बनाया जाए, जो आने वाली पीढ़ियों तक धर्म और संस्कृति की पहचान बने।5 फरवरी 2022 को मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर महाराज के सानिध्य में मंदिर की पावन नींव रखी गई तथा शिलान्यास एवं शिलि अभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके बाद दिन-रात मंदिर निर्माण कार्य चलता रहा और श्रद्धा पत्थरों में आकार लेने लगी।आज मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। विशाल शिखर, पाषाण कला, दिव्य नक्काशी और स्वर्णिम गर्भगृह श्रद्धालुओं को प्राचीन भारतीय जैन स्थापत्य की गौरवशाली परंपरा का अनुभव कराते हैं।

स्वर्ण आभा से आलोकित होगा गर्भगृह मंदिर में भगवान

महावीर स्वामी की मुख्य वेदी को विशेष स्वर्ण आभा से सजाया गया है। गर्भगृह में भगवान महावीर स्वामी के साथ भगवान आदिनाथ, पारसनाथ भगवान, नंदीश्वर द्वीप, मुनि सुदृढ़नाथ सहित 9 देवताओं की धात एवं पाषाण निर्मित प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी।रात के समय मंदिर की रोशनी पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक प्रकाश बिखेरती दिखाई देगी। श्रद्धालुओं का मानना है कि यह जिनालय आने वाले समय में क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक तीर्थ बनेगा।

गांव बनेगा धर्मनगरी, बैंड-बाजों के साथ निकलेगी शोभायात्रा

17 एवं 18 मई को पूरे नई राज्यास गांव को आकर्षक विद्युत सजावट, धर्मध्वजाओं और रंग-बिरंगी झांकियों से सजाया जाएगा। गांव की गलियों से लेकर मंदिर परिसर तक हर ओर भक्तिमय वातावरण रहेगा।महोत्सव के दौरान बैंड-बाजों, ढोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर भगवान की भक्ति में लीन नजर आएंगे। साथ ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा तथा पूरे गांव के लिए विशाल सामूहिक प्रसादी और वात्सल्य भोज रखा जाएगा।

देशभर से पहुंचेंगे संत और विशिष्ट अतिथि...

यह ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद, मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर महाराज के मार्गदर्शन एवं प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैया सुयश के सानिध्य में सम्पन्न होगा।

कार्यक्रम में शाहपुरा-बनेड़ा विधायक डॉ लालाराम बैरवा, मसूदा विधायक वीरेन्द्र सिंह कानावत, पूर्व जिला प्रमुख पूखराज पहाड़िया, ग्राम सरपंच सत्यानारायण भील सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे।

वहीं वेद स्टोनेक्स किशनगढ़ के दिलीप कुमार, निरंजन, निर्मल , प्रमोद वेद, देशनोदय दिगम्बर अतिशय क्षेत्र चांवलेश्वर पार्श्वनाथ के अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कासलीवाल तथा सर्वार्थ सिद्ध अतिशय क्षेत्र रणथम्भौर, सवाई माधोपुर के तरुण बंज भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।श्री दिगम्बर जैन मंदिर के संरक्षक रतनलाल गोधा एवं अध्यक्ष भागचन्द गोधा, राजकुमार गोधा, कमल गोधा तथा शशि गोधा ने बताया कि यह मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि समाज की एकता, श्रद्धा और समर्पण का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्षों का सपना अब साकार हो रहा है और यह जिनालय आने वाली पीढ़ियों को धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना की प्रेरणा देता रहेगा। नई राज्यास आज उस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने जा रहा है, जहां मिट्टी से निकली दिव्यता पुनः धर्मध्वजा के साथ जगमगाने वाली है।

साईबर फ्रॉड करने वालो को खाता, एटीएम व सिम बेचकर अपराध मे सहयोग करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

संदिग्ध खातों में मिला लाखो रु का लेन देन

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । साईबर फ्रॉड करने वालो को खाता, एटीएम व सिम बेचकर अपराध मे सहयोग करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार हुए है । जिनके संदिग्ध खातों मे साईबर फ्रॉड के लाखों रुपए का ट्रांजेक्शन मिला है । आरोपियों लेने अपना खाता 5 व 10 हजार रूपये मे बेचना स्वीकार किया है । आरोपी वसीम अकरम छीपा व अंकित शर्मा इस मामले में दबोचे गए है । थाना भीमगंज पर साईबर फ्रॉड की राशि को एटीएम विड्रो के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतो की सूची प्राप्त हुई जिसमें सूची मे अंकित खातों के विरूद्ध दर्ज शिकायतों का समन्वय पोर्टल पर अवलोकन किया तो खाताधारक वसीम अकरम छीपा पुत्र निसार छीपा निवासी रावला चैक गुलमण्डी भीलवाड़ा के इंडियन बैंक बसन्त बिहार भीलवाड़ा के खाता संख्या 8187047378 IFSC CODE IDIB000B172 के विरूद्ध साईबर पोर्टल के प्रथम लेयर मे शिकायत संख्या 20812250091561, 30812250100601, 31912250247342, 32901260002956 व 33712250058907 अलग अलग राज्यो मे दर्ज होकर कुल 13,30,777 रूपये खाते मे स्थानान्तरण होना पाई गई।

एक अन्य खाताधारक अंकित शर्मा निवासी कोटा रोड़ तिलकनगर पब्लिक स्कुल के पास भीलवाड़ा के इंडियन बैंक बसन्त विहार भीलवाड़ा के खाता संख्या 7999526854 के विरूद्ध साईबर पोर्टल के प्रथम लेयर मे शिकायत संख्या Acknowledgement No 23209250051180 o पश्चिम बंगाल व तमिलनाडू मे दर्ज होकर कुल 17,100 रूपये खाते मे स्थानान्तरण होना पाई गई। बैंक खाते से खाताधारको द्वारा इलेक्ट्रोनिक साधनो के माध्यम से आमजन के साथ साईबर धोखाधड़ी कर साईबर फ्रॉड की राशि अपने बैंक खातो मे प्राप्त कर उसे एटीएम से निकालकर आम लोगो को आर्थिक नुकसान पहुंचाकर साईबर ठगी द्वारा अकाउण्ट मे राशि प्राप्त की है। जिस पर आईटी एक्ट मे मामला दर्ज कर जांच सुनिल चैधरी पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना भीमगंज ने प्रारम्भ की । जिले मे खातो को बेचकर साईबर फ्रॉड करने की घटनाओ को गम्भीरता से लेते हुए थाना अधिकारी सुनिल चैधरी के नेतृत्व मे टीम का गठन किया । खाताधारको की सम्बन्धित बैंक से डिटेल प्राप्त की ओर खाते मे स्थानान्तरण हुई राशि का अवलोकन किया गया। समन्वय पोर्टल पर खातो के विरूद्ध दर्ज शिकायतो मे स्थानान्तरण राशि व बैंक खातो मे स्थानान्तरण हुई राशि का मिलान किया गया। उक्त खातो मे लाखो रूपयो का ट्रांजेक्शन व विड्रो का विवरण पाये जाने पर खाताधारक वसीम अकरम छीपा व अंकित शर्मा को डिटेन किया गया। डिटेनशुदा आरोपियो से गहनता व मनोवैज्ञानिक तरीके से पुछताछ की गई तो उक्त दोनो द्वारा 5 व 10 हजार रूपये मे अपना खाता बेचना कबूल किया। जिससे मुख्य फ्रॉडर आम लोगों के साथ साईबर फ्रॉड कर फ्रॉड की राशि को इन बैंक खातों में ट्रांसफर कर एटीएम, पीओएस के माध्यम से विड्रो करवाने हेतु इस्तेमाल करता था। मामले के सम्पूर्ण अनुसंधान से पाया गया है कि आरोपीगणो द्वारा बैंक मे खाता खुलवाकर बैंक डायरी, एटीएम कार्ड व मोबाईल मुख्य फ्रॉडर को उपलब्ध करवाना प्रमाणित होने से दोनों को गिरफ्तार किया।

श्रीमद्भागवत केवल एक कथा नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, संस्कार और भक्ति के मार्ग पर चलाने का दिव्य ग्रंथ

▪ स्मार्ट हलचल

बनेड़ा - उपखण्ड क्षेत्र के मुशी (मुसी) स्थित श्री शनि महाराज मंदिर में चल रहे 9 कुण्डात्मक नवदिवसीय श्री शनि महाराज नवग्रह महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव में प्रतिदिन भक्तों की भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। कथा स्थल पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में परिवर्तित हो चुका है, जहां वेद मंत्रों, भजन-कीर्तन और जयघोषों से संपूर्ण क्षेत्र गुंजायमान हो रहा है।

भागवत आचार्या बाल किशोरी सुश्री साध्वी आरती वैष्णव, (महाकाल आश्रम मधुसूदनगढ) मध्यप्रदेश के मुखारविंद से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया जा रहा है। कथा के दौरान साध्वी जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक कथा नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, संस्कार और भक्ति के मार्ग पर चलाने का दिव्य ग्रंथ है। कथा में राजस्थान की वीरभूमि, संतों की तपस्या और सनातन संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का सुंदर वर्णन किया गया। साध्वी जी ने कहा कि जिस घर में भगवान की भक्ति, गौ सेवा और संतों का सम्मान होता है, वहां सदैव सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। उन्होंने माता-पिता को प्रेरणा देते हुए कहा कि बच्चों को आधुनिकता के साथ-साथ धर्म और संस्कारों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ी ध्रुव और प्रह्लाद जैसे आदर्श भक्त बन सके। कथा के दौरान ध्रुव चरित्र, प्रह्लाद चरित्र और भगवान की भक्ति की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

साध्वी जी ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी जिसने भगवान का नाम नहीं छोड़ा, भगवान ने स्वयं उसकी रक्षा की।वहीं यज्ञाचार्य पंडित विकास जी शास्त्री (जयपुर) द्वारा प्रतिदिन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान पूर्वक नवग्रह महायज्ञ में यजमानों द्वारा आहुतियां लगाई जा रही है। यज्ञ में श्रद्धालु आहुति देकर परिवार, राष्ट्र एवं सनातन धर्म की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। पूरे महोत्सव के दौरान भजन-कीर्तन, संत प्रवचन और धार्मिक आयोजनों से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बना हुआ है। श्रद्धालुओं में कथा एवं यज्ञ को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।वही रात्री मे रामलीला का कलाकारों द्वारा मंचन किया जा रहा है।

शिव परिवार की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर शिखर पर कलश स्थापना

▪ स्मार्ट हलचल

मंगरोप ।क्षेत्र के पिपली गांव में शिव परिवार की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर शिखर पर कलश स्थापना के उपलक्ष्य में शनिवार से पांच दिवसीय पंचम कुंडात्मक श्री रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ हुआ।धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे गांव में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।आयोजनकर्ता समस्त ग्रामवासी पिपली द्वारा मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया है तथा ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।आयोजन के तहत रविवार को 500 कलशों की विशाल कलश यात्रा निकाली गई।कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी,जिसमें बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर शामिल हुई।इसके बाद मंडप पूजन एवं नित्य देव पूजन की धार्मिक विधियां संपन्न हुई।मंगलवार को आकर्षक झांकी दर्शन एवं भस्म आरती का आयोजन किया जाएगा।इसी दिन विशाल भजन संध्या भी आयोजित होगी,जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक ओम धर्मावत,हेमलता राव एवं अर्पिता सुथार अपने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर करेंगे।बुधवार को धार्मिक कथा का वाचन मुंगाना धाम के कृपा पात्र शिष्य श्री रामपाल दास जी महाराज के मुखारविंद से किया जाएगा।वहीं यज्ञाचार्य पं. गोपाल जी भट्ट के सानिध्य में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे।पांच दिवसीय आयोजन का समापन गुरुवार 14 मई को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा,मंदिर शिखर पर कलश स्थापना एवं पूर्णाहुति के साथ होगा। इसके पश्चात महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है।जिसमें आसपास के गांवों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजन को सफल बनाने के लिए ग्रामवासियों द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं।

अवैध बजरी खनन पर पुलिस ने कसा शिकंजा, 5 ट्रेक्टर ट्रॉली ओर लोडर जब्त, 5 आरोपी गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा/ भीलवाडा पुलिस ने अवैध खनन के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है । थाना फुलियाकला एवं डीएसटी भीलवाडा ने अवैध खनन के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाही करते हुए पांच ट्रेक्टर मय ट्रोली व एक लोडर को अवैध बजरी जब्त किया और आरोपी चालक हुकमचन्द बैरवा, रोषन बैरवा, सुरज कीर, नारायण गुर्जर, सत्यनारायण कुमावत को गिरफ्त में लिया है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह के आदेशानुसार जिले में अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही हेतु एएसपी राजेश आर्य शाहपुरा के निर्देशन व ओमप्रकाश विष्नोई वृत्ताधिकारी वृत शाहपुरा के सुपरविजन में और थाना प्रभारी राजकुमार थाना फुलियाकलां व कन्हैयालाल प्रभारी डीएसटी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। दिनांक- 10.05.2026 को टोडर मल सउनि मय जाप्ता के फुलियाकला के खेडा हेतम गणपतिया खेडा धनोप सागरिया में हल्का गस्त करते हुए अरवड पहुंचे कि रात्रि गस्त के दौरान डीएसटी टीम से राकेश कुमार ने मोबाईल से सूचना दी कि सागरिया के पास खारी नदी मे से अवैध बजरी का खनन किया जा रहा है आदि सूचना पर सागरिया के पास खारी नदी मे पहुचे जहां नदी मे चार ट्रेक्टर मय ट्रोली जिनमे बजरी भरी हुई थी जिनके साथ एक ट्रेक्टर जिसके बजरी भरने का लोडर लगा हुआ था। जिनको टीम की मदद से घेरा डाल कर पकडा। चालक हुकमचन्द बैरवा, रोषन बैरवा, सुरज कीर, नारायण गुर्जर, सत्यनारायण कुमावत जिनसे अपने अपने वाहनो मे अवैध बजरी खनन करने व परिवहन करने से सम्बन्धी परमिट व लाइसेन्स मांगा तो नही होना बताया जिस पर धारा 4/21 एमएमडीआर एक्ट तथा 303(2), 112(2) बीएनएस का जुर्म पाया जाने से वाहनो को जब्त कर उक्त चालको को गिरफतार किया ओर मामला दर्ज कर जांच शुरू की ।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

अवैध खनन पर ग्रामीणों का फूटा गुस्साए बजरी से भरी ट्रैक्टर. ट्रॉलियों के टायरों की निकाली हवा फ़िल्मी स्टाइल मे दौड़ी पुलिस

▪ स्मार्ट हलचल

सांगोद । सांगोद उपखंड के विनोद कलां गांव मे शुक्रवार रात को अवैध खनन के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश फूट पडा।ग्रामीणों ने हंगामा मचा दिया तथा पुलिस की मौजूदगी में नारेबाजी करते हुए धडल्ले से चल रहे अवैध खनन के कार्य को रूकवाने की गुहार की।पुलिस ने जल्द ऐसे अवैध खनन के गोरखधंधे को बंद करवाने का आश्वासन दिया लेकिन दूसरे दिन शनिवार को भी इस पर कोई बंदिश लगती नहीं दिखी। शुक्रवार को अवैध बजरी के परिवहन की सूचना पर सांगोद पुलिस और ग्रामीणों के बीच नोकझोंक हो गई जिसके बाद ग्रामीणों ने खुद मोर्चा संभालते हुए अवैध खनन में लिप्त वाहनों को रोक दिया,इससे घटना स्थल पर हंगामा खडा हो गया,एकत्रित ग्रामीणजन पुलिस की कार्यशैली पर नारेबाजी करते रहे ।

पुलिस ने अपनी स्टाइल में किया माफियाओं का पीछा:-

जहाँ अवैध खनन की सूचना मिलने पर सांगोद पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही माफियाओं ने ट्रैक्टर. ट्रॉलियों को तेज रफ्तार में दौड़ाना शुरू कर दिया। आगे माफियाओं के ट्रैक्टर और पीछे पुलिस की गाड़ियां,सड़कों पर यह दृश्य किसी फिल्मी चेज से कम नहीं था। ग्रामीणों का कहना है कि ग्रेवल से भरे चार ट्रेक्टरों नें विनोदकला गांव मे हड़कंप मचा दिया गलियों मे खेलते बच्चों नें चबूतरी पर भाग अपनी जान बचाई ये तेज रफ्तार वाहन सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे हैं जिससे आए दिन हादसों का डर बना रहता है। ग्रेवल भरी ट्रॉली को ग्रामीणों नें खड़ा करवाकर पाहियों की हवा निकाल दी ताकि माफिया वहां से भाग न सकें।

पुलिस और ग्रामीणों में काफी देर तक हुई बहसबाजी:-

विनोदकला मे शुक्रवार रात को तनावपूर्ण स्थिति उस समय और बढ़ गई जब पुलिस और ग्रामीणों के बीच भी कहासुनी हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों के बीच काफी देर तक तीखी नोकझोंक चलती रही। ग्रामीणों नें पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए खनन को बन्द करने की मांग की हैं।पुलिस का कहना है कि अवैध खनन माफियाओं को बख्शा नहीं जाएंगा,इनके विरूद्व जल्द एक्शन लेकर कार्यवाही अमल में लाई जाएंगी।

जैन धर्म में माता का स्थान अत्यंत गौरवशाली और पूजनीय: युवाचार्य महेंद्र ऋषि

▪ स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। जैन धर्म में माता का स्थान अत्यंत गौरवशाली और पूजनीय माना गया है। माँ केवल जन्म देने वाली नहीं, बल्कि जीवन की प्रथम गुरु और संस्कारों की नींव होती है।

यह बात श्रमण संघ के युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म. सा. ने शांति भवन सेन्थी में मदर्स डे के उपलक्ष्य में प्रवचन के दौरान कही। युवाचार्य ने कहा कि उपदेशों से जो नहीं सुधरते, उन्हें माँ की लोरी सुधार देती है।' बालक के गर्भ में आने से लेकर उसके बड़े होने तक, माँ के विचार और उसका आचरण बालक के चरित्र का निर्माण करते हैं। यदि माँ धार्मिक और संयमी है, तो संतान स्वतः ही धर्म मार्ग पर प्रशस्त होती है।

उन्होंने कहा माँ की महिमा अपरंपार और अवर्णनीय है। दुनिया में अगर कहीं निस्वार्थ प्रेम का साक्षात स्वरूप देखना हो, तो वह माँ के रूप में ही मिलता है।

युवाचार्य ने समय का महत्व समझाते हुए कभी इसे व्यर्थ ना करने की बात कही, उन्होंने कहा समय कभी किसी के लिए नहीं रुकता। चाहे कोई राजा हो या रंक, समय अपनी गति से चलता रहता है। जो व्यक्ति समय के साथ कदम मिलाकर चलता है, वही सफलता के शिखर तक पहुँचता है।

इससे पूर्व रविवार को प्रातः 6 बजे दिवाकर भवन से विहार कर युवाचार्य 7:30 बजे शांतिभवन पहुंचे, इस दौरान सेन्थी श्री संघ से बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं ओर नवयुवक मंडल अगुवानी करने प्रतापनगर चौराहे पहुंचे जहाँ से जयकारों के साथ बड़ी संख्या में समाजजन साथ चल रहे थे, युवाचार्य के साथ सभी साधु सन्तो का शांति भवन सेन्थी में भव्य प्रवेश हुआ।

इस दौरान युवाचार्य आदि ठाणा 4 के साथ ही मेवाड़ भास्कर प्रवर्तक कोमल मुनि जी आदि ठाणा 2, उपप्रवर्तनी साध्वी श्री दिव्य ज्योति जी आदि ठाणा 6, साध्वी श्री सुचेता जी म.सा. आदि ठाणा 3, साध्वी श्री प्रतिभा जी म. सा. आदि ठाणा 4, साध्वी श्री महिमा जी म.सा. आदि ठाणा 4 ओर साध्वी श्री अर्पण प्रज्ञा जी म.सा. आदि ठाणा 3 का भी पदार्पण हुआ।

साथ ही समाजजनो द्वारा गुरु भगवंत को 51 आयम्बिल रखकर अनूठी भेंट समर्पित की गई।

श्री शीतल वेणी यश महिला मंडल की तरफ से मंगलाचरण एवं श्री जैन दिवाकर महिला मंडल की तरफ से स्वागत गीत से अभिनन्दन किया।

सेन्थी श्री संघ अध्यक्ष अनिल पोखरना ने बाहर से आये सभी अतिथियों का अभिनन्दन किया, श्रीसंघ मंत्री ओम जैन शंभूपुरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

निंबाहेड़ा की पावन धरा पर 13 मई से गूंजेगा श्रीमद् भागवत कथा का दिव्य रस

कृषि उपज मंडी प्रांगण में प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से सांय 4:30 बजे तक होगा संगीतमय कथा वाचन,संत श्री दिग्विजयरामजी महाराज बिखेरेंगे भक्ति और ज्ञान की अमृतवर्षा

▪ स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा /धर्म, भक्ति और सनातन संस्कृति की अलौकिक ज्योति से आलोकित निंबाहेड़ा नगरी में आगामी 13 मई से 19 मई 2026 तक भव्य एवं दिव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। यह सात दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन सोनी (माहेश्वरी) परिवार, निंबाहेड़ा द्वारा श्रद्धा, आस्था एवं धर्मभावना के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

धार्मिक आयोजन को लेकर सम्पूर्ण क्षेत्र में उत्साह, श्रद्धा और भक्ति का वातावरण निर्मित हो चुका है। आयोजन समिति द्वारा कथा स्थल को आकर्षक धार्मिक सजावट, भव्य विद्युत सज्जा एवं आध्यात्मिक वातावरण से सुसज्जित किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को दिव्य अनुभूति प्राप्त हो सके।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कथा का आयोजन कृषि उपज मंडी समिति परिसर, न्यू गेट छोटीसादड़ी रोड, निंबाहेड़ा में किया जाएगा, जहां प्रतिदिन दोपहर 1:00 बजे से सांय 4:30 बजे तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा

का वाचन होगा। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं, भक्तिमय प्रसंगों एवं सनातन धर्म के गूढ़ संदेशों का रसपान श्रद्धालुओं को कराया जाएगा।

इस पावन अवसर पर व्यासपीठ को सुशोभित करेंगे रामस्नेही संप्रदाय के ब्रह्मलीन सद्गुरु श्री भगतरामजी महाराज के परम शिष्य, ओजस्वी एवं प्रखर वक्ता संत श्री दिग्विजयरामजी महाराज (दर्शनाचार्य एवं एम.ए. अंग्रेजी, रामद्वारा चित्तौड़गढ़)। संतश्री अपनी मधुर, ओजपूर्ण एवं भावविभोर कर देने वाली अमृतवाणी से श्रीमद् भागवत महापुराण की महिमा का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कार, सेवा, मानवता एवं ईश्वर भक्ति का संदेश देंगे।

आयोजन समिति ने बताया कि कथा महोत्सव का शुभारंभ 13 मई बुधवार को मंगल कलश यात्रा एवं विविध धार्मिक कार्यक्रमों के साथ होगा। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, गोवर्धन पूजा, रुक्मिणी विवाह, सुदामा चरित्र, नरसिंह अवतार, वामन अवतार एवं भक्त प्रहलाद चरित्र सहित अनेक प्रेरणादायी प्रसंगों का जीवंत एवं संगीतमय वर्णन किया जाएगा। कथा में भजन, कीर्तन एवं भक्तिमय प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर देंगी।

धार्मिक आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन संत महात्माओं का सान्निध्य, भक्ति संगीत एवं आध्यात्मिक प्रवचनों की त्रिवेणी बहती नजर आएगी। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं के बैठने, पेयजल, छाया एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर आयोजन समिति द्वारा व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं।

सोनी (माहेश्वरी) परिवार एवं आयोजन समिति ने निंबाहेड़ा सहित आसपास के समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है। समिति ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सनातन संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों एवं मानव जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करने वाला आध्यात्मिक महोत्सव है।

नगरवासियों का मानना है कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक समरसता का संदेश प्रसारित होता है। आगामी सप्ताहभर तक निंबाहेड़ा की पावन धरा श्रीकृष्ण भक्ति, कथा रस एवं हरिनाम संकीर्तन से भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहने वाली है।

रात्रि चौपाल का आयोजन, विधायक आक्या ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

▪ स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। प्रदेश में सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग द्वारा चलाये जा रहे कृषक, पशुपालको एवं ग्रामीण क्षैत्रो से संबंधित योजनाओ के एलईडी वेन के माध्यम से प्रचार प्रसार हेतु ग्राम रथ के सायंकाल ग्राम सेमलपुरा में आगमन पर विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के मुख्य आतिथ्य में रात्री चोपाल का आयोजन किया गया। रात्री चोपाल में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणो की समस्याओ का मोके पर ही निराकरण करते हुए विधायक आक्या ने कहा की भाजपा नेतृत्व वाली भजनलाल शर्मा सरकार ने महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगारन्मुख कार्यक्रम, गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया है। सड़को, बिजली, पानी और शहरी-ग्रामीण आधारभुत ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे प्रदेश के समग्र विकास को गति मिली है।

विधानसभा रथ प्रभारी लादुलाल तेली ने बताया की ग्राम रथ के माध्यम से कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायतीराज और ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की मोबाईल एलईडी वेन के माध्यम से तथा साहित्य व प्रचार प्रसार सामग्री उपलब्ध करा जानकारी दी जा रही है। रथ के ग्राम एराल में आगमन पर बड़ी संख्या में ग्रामीणो ने राजस्थान सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर, बस्सी ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष भंवर सिंह खरड़ी बावड़ी, पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह राठौड़ रामेश्वर धाकड़, प्रहलाद तैली, रामसिंह सिसोदिया, कैलाश गिरी, रतन धाकड़, भगवानलाल धाकड़, श्यामलाल धाकड़, हस्तीमल धाकड़, सत्यनारायण मीणा, भैरू साहु, कमलेश धाकड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

वेंटिलेटर पर ब्यावर की स्वास्थ्य सेवाएँ, आक्रोश में कांग्रेस; मंगलवार को घेराव की तैयारी

▪ स्मार्ट हलचल

रेफरल सेंटर' बनकर रह गया अस्पताल, भाजपा की 'पर्ची सरकार' के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे कांग्रेसी

ब्यावर | शहर के गौरव कहे जाने वाले राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय की बदहाली और चरमराई चिकित्सा व्यवस्था अब सियासी संग्राम का केंद्र बन गई है। राजस्थान की भाजपा सरकार और स्थानीय नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। आगामी 12 मई, मंगलवार को सुबह 10:30 बजे कांग्रेस द्वारा अस्पताल परिसर में विशाल घेराव और विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

अस्पताल नहीं, 'रेफरल सेंटर' बना अमृतकौर

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने स्थानीय नेतृत्व पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। अस्पताल में डॉक्टरों की भारी कमी है, जाँच मशीनें धूल फांक रही हैं और दवाओं का स्टॉक खत्म हो चुका है। स्थिति यह है कि सामान्य उपचार के लिए भी गरीब मरीजों को दूसरे शहरों के लिए रेफर कर दिया जाता है। उन्होंने इसे भाजपा की 'पर्ची सरकार' की विफलता बताया।

जन-आंदोलन का आह्वान

अजय शर्मा ने आरोप लगाया कि दिल्ली से संचालित होने वाली भजनलाल सरकार और यहाँ के स्थानीय जनप्रतिनिधि ब्यावर की जनता की तकलीफों के प्रति पूरी तरह संवेदनहीन हैं। उन्होंने कहा, 'यह केवल कांग्रेस का विरोध नहीं, बल्कि ब्यावर के हर नागरिक के स्वास्थ्य अधिकारों की रक्षा के लिए एक जन-आंदोलन है।'

भारी संख्या में जुटने की अपील इस प्रदर्शन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पार्षदों, अग्रिम संगठनों के पदाधिकारियों सहित आम नागरिकों और सामाजिक संगठनों को भी आमंत्रित किया गया है। ब्लॉक कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ, तो यह आंदोलन और उग्र रूप धारण करेगा। शर्मा ने ब्यावर वासियों से अपील की है कि वे अपने परिवार के बेहतर भविष्य और हक की लड़ाई के लिए मंगलवार को अस्पताल परिसर पहुँचें।

गुलाबपुरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 36 किलो डोडा चूरा जब्त, 2 तस्कर गिरफ्तार

नाकाबंदी देख भागी क्रेटा कार, पुलिस ने 5 किलोमीटर पीछा कर दबोचा

▪ स्मार्ट हलचल

गुलाबपुरा । भीलवाड़ा जिले की गुलाबपुरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 36 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त क्रेटा कार को जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य के निर्देशन तथा पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्र सिंह के सुपरविजन में थाना प्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा अंजाम दी गई।

पुलिस के अनुसार 10 मई 2026 को टेलीफोन के माध्यम से सूचना मिली कि भीलवाड़ा की ओर से एक सफेद रंग की क्रेटा कार संदिग्ध सामान लेकर आ रही है। सूचना मिलते ही जिंक चौराहा, हुरड़ा नेशनल हाईवे-148डी पर नाकाबंदी शुरू की गई।

नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध क्रेटा कार (नंबर RJ45-CV-8766) वहां पहुंची, लेकिन पुलिस को देखकर चालक ने वाहन वापस मोड़ लिया और हुरड़ा कस्बे की ओर तेज गति से भागने लगा। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए करीब 5 किलोमीटर तक पीछा किया और आखिरकार गुलाबपुरा कस्बे में वाहन को रुकवा लिया।

वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को पांच प्लास्टिक कट्टों में कुल 36 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा मिला। पुलिस ने मौके पर ही डोडा चूरा जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकित विश्नोई पुत्र रामनिवास विश्नोई निवासी मालस हाल रेन थाना मेड़ता सिटी जिला नागौर तथा अभिषेक विश्नोई पुत्र श्रवणराम विश्नोई निवासी चकधनी थाना कुचेरा जिला नागौर के रूप में हुई है।

कार्रवाई में थाना प्रभारी संजय कुमार, उप निरीक्षक गोवर्धनलाल, सहायक उप निरीक्षक श्रवण कुमार सहित पुलिस टीम के अन्य जवानों की विशेष भूमिका रही।

पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि डोडा चूरा कहां से लाया गया था और इसे कहां सप्लाई किया जाना था। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच जारी है।

विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत परखेंगे अधिकारी, लापरवाही पर होगी कार्रवाई: सचिव दीपक कुमार

▪ स्मार्ट हलचल

भीमताल । उत्तराखंड सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिए रविवार को विकास भवन भीमताल में सचिव, संस्कृत शिक्षा, जनगणना एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन दीपक कुमार की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सचिव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे क्षेत्र में जाकर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का भौतिक सत्यापन करें और यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

सचिव दीपक कुमार ने कहा कि सरकार की मंशा तभी पूरी होगी जब योजनाएं धरातल पर दिखाई देंगी। उन्होंने अधिकारियों को लाभार्थी सत्यापन, अवसंरचना निरीक्षण और सेवा वितरण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा।

बैठक में मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को तय समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का रैंडम सत्यापन कर गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया।

महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए सचिव ने एनआरएलएम और एनयूएलएम के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने दस उत्कृष्ट एवं दस कमजोर समूहों की सूची बनाकर प्रतिस्पर्धा के आधार पर उन्हें आगे बढ़ाने की रणनीति बनाने को कहा। साथ ही अधिकाधिक समूहों को 'लखपति दीदी' योजना से जोड़ने पर बल दिया।

सिंचाई विभाग की समीक्षा में नहरों, गूलों और हाइड्रम योजनाओं की मरम्मत एवं सुधार कार्य समय पर पूरा कर किसानों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बने आवासों का लाभार्थीवार सत्यापन कराने को कहा गया।

जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल योजना की समीक्षा करते हुए दिए गए जल संयोजनों का समय-समय पर सत्यापन करने के निर्देश दिए गए। वहीं पीएमजीएसवाई के तहत बनी सड़कों की गुणवत्ता बनाए रखने और उन्हें गड्ढामुक्त रखने के लिए नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा गया।

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना की समीक्षा करते हुए सचिव ने अधिकाधिक पात्र लोगों को लाभान्वित करने और स्थलीय सत्यापन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना, पीएम कौशल विकास केंद्रों की स्थिति, प्रशिक्षणरत युवाओं की संख्या, सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की तैनाती और आमजन को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं की भी समीक्षा की गई।

शिक्षा विभाग की समीक्षा में विद्यालयों में पठन-पाठन व्यवस्था, छात्र-छात्राओं के लिए पृथक शौचालय, पेयजल सुविधा और शिक्षा गुणवत्ता सुधार पर विशेष जोर दिया गया।

कृषि एवं उद्यान विभाग को किसानों को फसल बीमा, कृषि बीज, कृषि यंत्र और खाद समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए बीमा लाभ सुनिश्चित करने को कहा गया।

सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे एनआरएलएम के सहयोग से उद्यान, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन और सहकारिता विभागों के साथ मिलकर प्रत्येक विकासखंड में एक आदर्श फार्मिंग मॉडल विकसित करें।

इसके अलावा मत्स्य पालन, पीएम मातृत्व वंदना योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, कुपोषण उन्मूलन, पीएम कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, कानून व्यवस्था, साइबर सुरक्षा, साइबर फ्रॉड रोकथाम तथा ड्रग्स फ्री उत्तराखंड अभियान की भी समीक्षा की गई।

'सरकार जनता के द्वार' कार्यक्रम के तहत अधिकारियों को रोस्टर के अनुसार गांवों में रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिए गए। साथ ही द्वितीय राजभाषा संस्कृत के उत्थान हेतु कार्यालयों के बोर्ड एवं पदनाम पट्टिकाएं संस्कृत में भी लिखवाने को कहा गया।

जनगणना कार्यों की समीक्षा में कुछ क्षेत्रों में शिथिलता पर नाराजगी जताते हुए सचिव ने समय से पूर्व कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सौरभ असवाल, सहायक परियोजना निदेशक डीआरडीए चंदा फर्त्याल, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ. मुकेश नेगी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक्सीडेन्ट की कहानी में छिपा था मर्डर .....

आसींद पुलिस ने सुलझाई हत्या की गुत्थी: भाई ही निकला भाई का कातिल

10 लाख के लोन विवाद और बीमा क्लेम के लालच में रची सड़क हादसे की साजिश, आरोपी गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

आसींद । आसींद थाना पुलिस ने सतर्कता और गहन जांच के चलते एक सनसनीखेज हत्या का खुलासा करते हुए मृतक के सगे भाई को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने छोटे भाई की हत्या कर उसे सड़क हादसा दर्शाने की साजिश रची थी। पुलिस ने आरोपी लक्ष्मीलाल खटीक उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर लिया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बुद्धराज खटीक, वृत्ताधिकारी ओमप्रकाश सोलंकी के सुपरविजन में तथा थाना प्रभारी श्रद्धा पचौरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस के अनुसार 3 मई 2026 को सुबह करीब सवा 8 बजे सूचना मिली कि कांवलास सरहद स्थित डामर प्लांट के पास नेशनल हाईवे-158 पर एक व्यक्ति की लाश और मोटरसाइकिल

पड़ी हुई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात शव को सीएचसी आसींद की मोर्चरी में रखवाया गया।

सोशल मीडिया पर फोटो प्रसारित करने के बाद मृतक की पहचान गोविंदपुरा निवासी किशन उर्फ मेवाराम खटीक के रूप में हुई। मृतक के भाई लक्ष्मीलाल ने अज्ञात वाहन से दुर्घटना कर मौत होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

जांच के दौरान पुलिस को कई संदिग्ध तथ्य मिले। मृतक के शरीर पर सिर की चोटों के अलावा अन्य कोई घाव नहीं था। वहीं मोटरसाइकिल पर भी दुर्घटना जैसे निशान नहीं मिले और मोटरसाइकिल का स्विच बंद पाया गया। घटनास्थल पर रस्सी, चप्पल और टूटा हुआ इंडिकेटर मिलने पर पुलिस को मामला संदिग्ध लगा।

पुलिस ने मृतक की कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। इसके बाद जब परिवादी लक्ष्मीलाल से सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया।

जांच में सामने आया कि मृतक मेवाराम और आरोपी लक्ष्मीलाल के बीच संपत्ति और 10 लाख रुपए के लोन को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों भाइयों ने मिलकर मृतक के प्लॉट पर लोन लिया था, जिसमें से पांच लाख रुपए लक्ष्मीलाल को दिए गए थे। मृतक लगातार रुपए वापस मांग रहा था।

पुलिस के अनुसार 2 मई की रात आरोपी ने अपने भाई को शराब पीने के लिए फोनपे से 200 रुपए भेजे और बाद में उसे चमनपुरा स्थित खेत पर बने मकान पर बुलाया। देर रात जब मेवाराम गहरी नींद में सो गया, तब आरोपी ने कुल्हाड़ी के पिछले हिस्से से उसके सिर पर कई वार कर हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी ने शव को कट्टे में डालकर मोटरसाइकिल से नेशनल हाईवे के पास पहुंचाया और सड़क हादसा दर्शाने के लिए शव व बाइक को सड़क किनारे फेंक दिया। इसी दौरान बाइक का एक इंडिकेटर टूट गया और शव बांधने वाली रस्सी घटनास्थल पर छूट गई।

पुलिस ने वैज्ञानिक और तकनीकी जांच के आधार पर मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कार्रवाई में थाना प्रभारी श्रद्धा पचौरी, एएसआई सूर्यभान सिंह, एचसी नरपत सिंह, रणजीत सिंह, महेंद्र सिंह, मूल सिंह एवं सांवलराम की विशेष भूमिका रही।

बिजयनगर में जोन स्तरीय निरंकारी महिला समागम आयोजित, अनेक शाखाओं की बहनों ने लिया भाग

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर /बिजयनगर - सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की कृपा से अजमेर जोन का जोन स्तरीय निरंकारी महिला समागम बिजयनगर होटल एन चंद्रा पैलेस में आयोजित किया गया। समागम में अजमेर जोन की विभिन्न शाखाओं से बड़ी संख्या में बहनों ने भाग लेकर सत्संग का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में दिल्ली से पधारी केंद्रीय प्रचारक बहन जयश्री करमचंदानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज मनुष्य आवश्यकता से अधिक पाने की दौड़ में लगा हुआ है। सांसारिक वस्तुओं की प्राप्ति के लिए वह निरंतर प्रयास करता रहता है, लेकिन यह जीवन का अंतिम उद्देश्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस कार्य के लिए

मनुष्य जन्म मिला है, उसे पहचानना और प्रभु ज्ञान प्राप्त कर जीवन को सार्थक बनाना ही वास्तविक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि आज ईश्वर को सभी मानते हैं, परंतु उसे जानने का प्रयास बहुत कम लोग करते हैं। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ब्रह्मज्ञान प्रदान कर ईश्वर से साक्षात्कार करवाती हैं। ब्रह्मज्ञान से ही जन्म-मरण के बंधनों से मुक्ति संभव है। जब मनुष्य सतगुरु का जीवन में अनुसरण करता है तो उसके भीतर प्रेम, सेवा और मानवता की भावना बढ़ती है। यही ज्ञान केवल स्वयं का ही नहीं, बल्कि समाज और समस्त मानवता का भी कल्याण करता है। समागम में अजमेर जोन के अजमेर, ब्यावर, किशनगढ़, नसीराबाद, केकड़ी, टोंकावास,भीम, राजसमंद, बाली, पाली और मारवाड़ सहित विभिन्न शाखाओं की बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्षेत्रीय संचालक महात्मा जयप्रकाश सिंह तोमर के नेतृत्व में सेवाकार्य सुचारू रूप से संपन्न हुआ। समागम के दौरान सेवाकार्य से जुड़ी आवश्यक व्यवस्थाओं का संचालन भी व्यवस्थित ढंग से किया गया। अंत में जोन इंचार्ज सुनील बाली ने सभी के मंगलमय जीवन, सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। बिजयनगर शाखा इंचार्ज बहन सुमन राव ने बाहर से पधारे सभी महात्माओं एवं बहनों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। समागम का समापन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के साथ हुआ।

भागवत कथा ज्ञान यज्ञ प्रारंभ-: महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली

▪ स्मार्ट हलचल

वैर / भरतपुर राजस्थान में कस्बा वैर के बरकत वाले हनुमान जी के मंदिर से आज भागवत कथा की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई है शोभा यात्रा भोपर वाले रोड हनुमान जी के मंदिर से प्रारंभ हुई महिलाओं ने अपने सिर पर कलश धारण कर उराने पैरों से चलकर भाग लिया।कुम्हेर गेट ,गोपाल जी का मंदिर, पुराना थाना, सभी जगह जल पान, शरवत, आदि द्वारा कस्बा में बाजार में सभी भक्तों का स्वागत किया । बयाना गेट, श्री श्री 1008 बाबा मनोहर दास जी के मंदिर से होते हुए सीताराम जी के मंदिर, भुसावर गेट पर दो जेसीबीयों से फूलों की वर्षा करके स्वागत किया गया। होते हुए शोभा यात्रा पुनः आयोजकों ने बताया कि 17 तारीख को हवन एवं पूर्णाहुति के बाद प्रसादी वितरण होगा। कार्यक्रम सैनी महिला कीर्तन मंडल एवं सर्व समाज द्वार आयोजित किया जा रहा है।रात्रि के समय श्रद्धालुओं द्वारा हरि कीर्तन का कार्यक्रम भी रखा गया है।

घर की पहली शिक्षकः माँ और बदलता पालन-पोषण

▪ स्मार्ट हलचल

डॉ० सत्यवान सौरभ

माँ केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन की सबसे गहरी अनुभूति है। संसार में बच्चे की पहली पहचान, पहला स्पर्श, पहला भरोसा और पहली शिक्षा माँ से ही शुरू होती है। किसी भी समाज की सभ्यता और संवेदनशीलता इस बात से आँकी जा सकती है कि वहाँ मातृत्व को कितना सम्मान और महत्व दिया जाता है। आधुनिक समय में भले ही शिक्षा के बड़े-बड़े संस्थान, डिजिटल तकनीक और करियर की दौड़ ने जीवन की दिशा बदल दी हो, लेकिन आज भी यह सत्य उतना ही मजबूत है कि बच्चे की पहली शिक्षक उसकी माँ ही होती है।

बच्चा जब जन्म लेता है, तब वह इस दुनिया की भाषा नहीं जानता। वह शब्दों को नहीं समझता, लेकिन भावनाओं को महसूस करता है। माँ की गोद में उसे सुरक्षा मिलती है, उसके स्पर्श में अपनापन और उसकी आवाज़ में विश्वास मिलता है। यही वह शुरुआती शिक्षा है जो किसी किताब या स्कूल में नहीं मिलती। माँ बच्चे को केवल चलना या बोलना नहीं सिखाती, बल्कि जीवन को समझना भी सिखाती है। प्यार क्या होता है, दूसरों का सम्मान कैसे करना चाहिए, दुख में धैर्य कैसे रखना चाहिए और रिश्तों को कैसे निभाना चाहिए—इन सबका पहला पाठ घर में माँ ही पढ़ाती है।

विद्यालय बच्चों को विज्ञान, गणित और भाषा सिखाते हैं, लेकिन नैतिक मूल्य घर से आते हैं। बच्चा अपनी माँ के व्यवहार को रोज़ देखता है। वह देखता है कि माँ पूरे परिवार की ज़रूरतों का ध्यान कैसे रखती है, बिना थके हर सदस्य की चिंता कैसे करती है और अपने हिस्से की इच्छाओं का त्याग करके परिवार को प्राथमिकता कैसे देती है। यही दृश्य बच्चे के भीतर संवेदनशीलता, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं। बच्चा बोलने से पहले देखना सीखता है और वही देखी हुई बातें उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं।

माँ बच्चे के चरित्र निर्माण की सबसे बड़ी आधारशिला होती है। यदि घर का वातावरण प्रेमपूर्ण और सम्मानजनक होगा, तो बच्चा भी समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करेगा। यदि माँ दूसरों के प्रति दया और सहानुभूति दिखाती है, तो बच्चा भी वही सीखता है। यही कारण है कि समाज की वास्तविक शिक्षा घरों में होती है, स्कूलों में केवल उसका विस्तार होता है।

लेकिन बदलते समय के साथ पालन-पोषण का स्वरूप भी बदल रहा है। आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। महंगाई, करियर की प्रतिस्पर्धा और आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों की संरचना और रिश्तों के स्वरूप को प्रभावित किया है। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चे दादा-दादी, चाचा-चाची और पूरे परिवार के बीच बड़े होते थे। अब अधिकांश परिवार छोटे हो गए हैं। माता-पिता दोनों कामकाजी हैं और बच्चों के साथ बिताने का समय सीमित होता जा रहा है।

विशेष रूप से कामकाजी माताओं के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती है—करियर और मातृत्व के बीच संतुलन बनाना। समाज अक्सर यह मान लेता है कि यदि माँ घर से बाहर काम कर रही है तो वह बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही होगी। लेकिन यह सोच अधूरी है। आज की माँ केवल घर संभालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह आर्थिक जिम्मेदारियाँ भी निभा रही है। वह ऑफिस में काम करती है, घर लौटकर बच्चों की देखभाल करती है और परिवार की भावनात्मक जरूरतों को भी पूरा करती है। यह दोहरी जिम्मेदारी आसान नहीं है।

कई बार कामकाजी माताएँ अपराधबोध का शिकार हो जाती हैं कि वे अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पा रहीं जितना देना चाहिए। लेकिन पालन-पोषण केवल समय की मात्रा से तय नहीं होता, बल्कि उस समय की गुणवत्ता से तय होता है। यदि माँ सीमित समय में भी बच्चों के साथ संवाद करती है, उनकी भावनाओं को समझती है और सही संस्कार देती है, तो उसका प्रभाव गहरा होता है।

आज के बच्चे पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर हो रहे हैं। माता-पिता के व्यस्त रहने के कारण वे अपने छोटे-छोटे काम स्वयं करना सीख रहे हैं। वे समय का प्रबंधन करना, अकेले रहना और बदलते परिवेश में खुद को ढालना सीख रहे हैं। कई बच्चे अकेले समय में नई रचनात्मक गतिविधियों की ओर भी बढ़ रहे हैं। यह बदलाव सकारात्मक भी हो सकता है, यदि बच्चों को सही दिशा और भावनात्मक सहयोग मिलता रहे।

लेकिन इस बदलते पालन-पोषण के कुछ खतरे भी हैं। आज तकनीक ने बच्चों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट बच्चों के जीवन का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। कई बार माता-पिता की व्यस्तता बच्चों को भावनात्मक रूप से अकेला कर देती है। बच्चे अपनी समस्याएँ साझा करने के बजाय डिजिटल दुनिया में खोने लगते हैं। ऐसे समय में माँ की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उसे केवल बच्चों की पढ़ाई या भोजन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके मन की स्थिति को भी समझना चाहिए।

बच्चे को सबसे ज्यादा जरूरत संवाद की होती है। यदि माँ बच्चे से खुलकर बात करती है, उसकी परेशानियों को सुनती है और बिना डर के अपनी भावनाएँ व्यक्त करने का माहौल देती है, तो बच्चा मानसिक रूप से मजबूत बनता है। लेकिन यदि घर में संवाद खत्म हो जाए, तो बच्चा अंदर ही अंदर अकेलापन महसूस करने लगता है। यही अकेलापन आगे चलकर तनाव, अवसाद और व्यवहारिक समस्याओं का कारण बन सकता है।

दुर्भाग्य से आधुनिक समाज में मातृत्व को लेकर भी एक कृत्रिम छवि बनाई जा रही है। सोशल मीडिया पर "परफेक्ट माँ" की तस्वीरें दिखाई जाती हैं—जो हमेशा मुस्कुराती रहती है, हर काम बिना थके करती है और कभी परेशान नहीं होती। लेकिन वास्तविक जीवन इससे अलग है। माँ भी इंसान है। उसकी भी अपनी थकान, परेशानियाँ और भावनाएँ हैं। इसलिए मातृत्व को केवल त्याग और बलिदान की मूर्ति बनाकर देखना उचित नहीं है। माँ को भी भावनात्मक सहयोग, सम्मान और विश्राम की आवश्यकता होती है।

भारतीय संस्कृति में माँ को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। "मातृ देवो भवः" केवल एक धार्मिक वाक्य नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक जीवन का मूल दर्शन है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस माँ को सम्मान का प्रतीक माना जाता है, उसी के श्रम को अक्सर सामान्य मान लिया जाता है। घर का काम, बच्चों की देखभाल और परिवार की जिम्मेदारियाँ आज भी "काम" नहीं मानी जातीं। यह सोच बदलनी होगी। बच्चों को बचपन से यह सिखाना होगा कि माँ का श्रम केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि प्रेम और समर्पण का अद्भुत उदाहरण है।

समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि वे मातृत्व को सहयोग देने वाली नीतियाँ बनाएं। कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्यस्थल, पर्याप्त मातृत्व अवकाश, डे-केयर सुविधाएँ और मानसिक स्वास्थ्य सहायता जैसी व्यवस्थाएँ आवश्यक हैं। क्योंकि यदि माँ तनाव और असुरक्षा में रहेगी, तो उसका प्रभाव बच्चों पर भी पड़ेगा।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि माँ केवल बच्चे को जन्म नहीं देती, बल्कि उसके व्यक्तित्व को गढ़ती है। वह बच्चे की पहली पाठशाला है, जहाँ से जीवन की सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा मिलती है। उसकी गोद में बच्चा केवल अक्षर नहीं, बल्कि इंसानियत सीखता है। वह सिखाती है कि रिश्तों की कीमत क्या होती है, दूसरों के लिए त्याग कैसे किया जाता है और कठिन परिस्थितियों में भी उम्मीद कैसे बनाए रखी जाती है।

आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तब भी माँ का महत्व कम नहीं हुआ है। बल्कि बदलते समय में उसकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। क्योंकि आधुनिक जीवन की भागदौड़ में यदि कोई रिश्ता बच्चे को भावनात्मक सुरक्षा, नैतिक दिशा और निस्वार्थ प्रेम दे सकता है, तो वह केवल माँ का रिश्ता है। इसलिए यह सच आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि घर की पहली शिक्षक माँ ही होती है और उसके दिए संस्कार जीवनभर बच्चे के व्यक्तित्व की नींव बने रहते हैं।

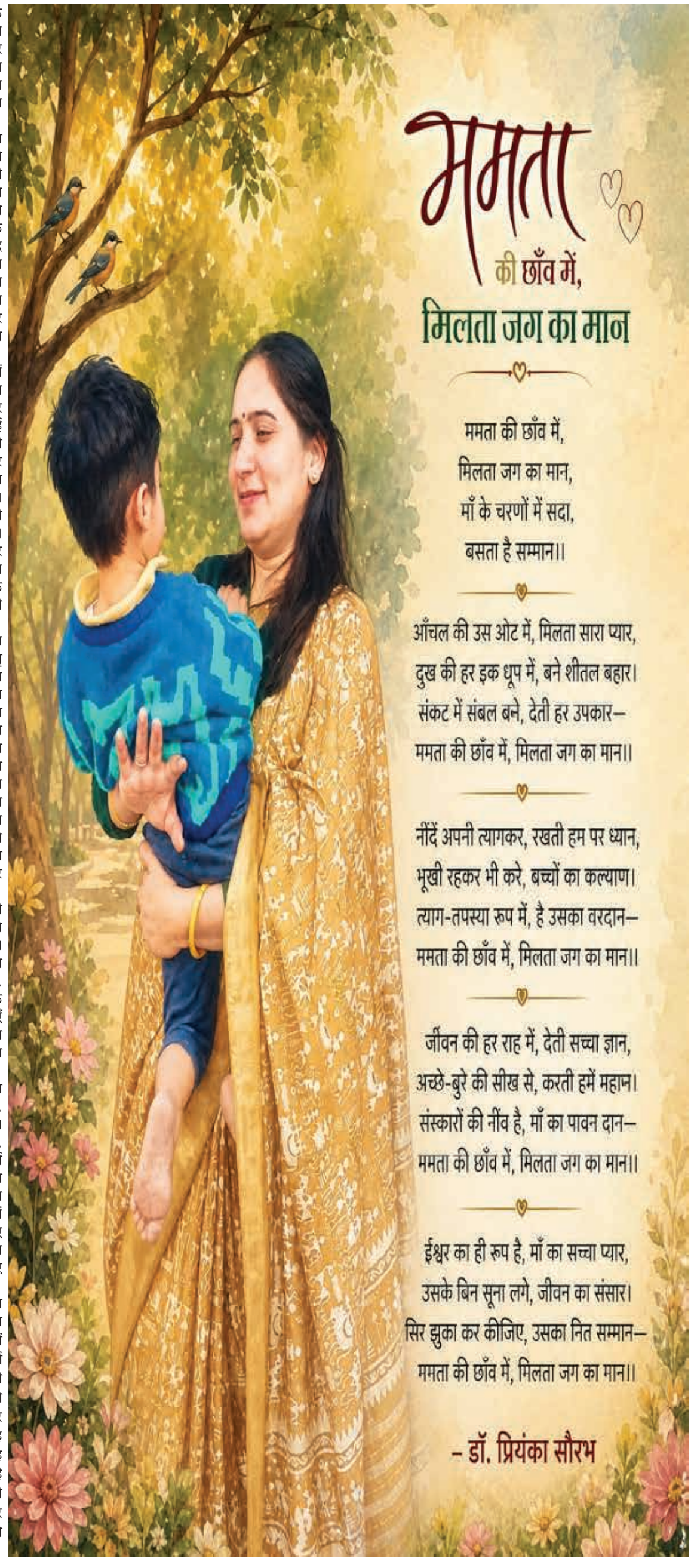

खटीक समाज के युवाओं ने जाना सफलता का मंत्र, नवचयनित RAS अधिकारियों का हुआ सम्मान

▪ स्मार्ट हलचल

जयपुर। जेएलएन मार्ग स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानिंग में रविवार को 'ग्लोबल खटीक ऑफिसर्स एंड प्रोफेशनल ग्रुप' द्वारा करियर मार्गदर्शन शिविर एवं RAS सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिन्हें देश के प्रतिष्ठित आईएएस (IAS) और आरएएस (RAS) अधिकारियों ने भविष्य संवारने के टिप्स दिए।

विशेषज्ञों ने दिखाई राह:

मुख्य सूत्रधार श्री रमेश सांभरिया ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य समाज के युवाओं को सही दिशा दिखाना है। कार्यक्रम में कक्षा 12वीं के छात्रों के लिए निःशुल्क साइकोमेट्रिक टेस्ट आयोजित किया गया। अजय असवाल (IAS), उर्मिला राजौरिया (IAS) और विशाल दायमा (IAS) सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों ने यूपीएससी की तैयारी के गुर सिखाए। वहीं, मेडिकल, इंजीनियरिंग, न्यायिक सेवा और कॉमर्स क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भी छात्रों की शंकाओं का समाधान किया।

प्रतिभाओं का सम्मान:

समारोह के दौरान समाज का गौरव बढ़ाने वाले नवचयनित RAS अधिकारी उन्नत किशोर राजोरा, किस्मत खींची, अमन सोलंकी, कुलदीप खींची, विजय खन्ना, राजू परिड़वाल और विशेष नाराणियां को सम्मानित किया गया। अभिभावकों और समाजजनों ने इस आयोजन को समाज के विकास के लिए एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक पहल बताया।

पुष्कर में फर्जी गाइडों पर पुलिस की सख्ती, लगातार हो रही कार्रवाई.

▪ स्मार्ट हलचल

पुष्कर / आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों को फर्जी गाइडों से बचाने के लिए थानाधिकारी विक्रम राठौर के नेतृत्व में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में शनिवार को सावित्री माता मंदिर के पास एक फर्जी गाइड को रंगे हाथों पकड़ा गया।पुलिस को काफी समय से शिकायत मिल रही थी कि कुछ लड़के बिना लाइसेंस के खुद को गाइड बताकर पर्यटकों का पीछा करते हैं। ये लोग जबरन कैमल सफारी और होटल में ले जाने के लिए दबाव बनाते हैं। मना करने पर पर्यटकों के साथ बदतमीजी भी करते हैं। शनिवार को पुष्कर थाना पुलिस गश्त पर थी। तभी सावित्री माता मंदिर के पास 19 साल का राजेश कहार पर्यटकों को घेरकर परेशान करता मिला। उसके पास गाइड का कोई लाइसेंस नहीं था। पुलिस ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

भगवान श्री परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा, प्रतिभा सम्मान समारोह एवं परशुराम सर्किल शिलान्यास ने बनाया ऐतिहासिक माहौल

▪ स्मार्ट हलचल

मंडावर। मंडावर कस्बा रविवार को भगवान श्री परशुराम भगवान की भक्ति, संस्कृति और सामाजिक एकता के रंग में रंगा नजर आया, जहां भगवान श्री परशुराम की जयंती के उपलक्ष्य में विशाल एवं भव्य शोभायात्रा, प्रतिभा सम्मान समारोह तथा भगवान श्री परशुराम सर्किल के शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में समाजबंधु, मातृशक्ति एवं युवा साथी शामिल हुए, जिससे पूरा कस्बा धर्ममय वातावरण में सराबोर हो गया। शोभायात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों एवं जयकारों के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान श्री परशुराम जी की आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला, वहीं महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान महवा विधायक राजेन्द्र मीणा ने ब्राह्मण समाज के वरिष्ठजनों के साथ भगवान श्री परशुराम जी सर्किल का विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया। विधायक ने कहा कि भगवान श्री परशुराम जी केवल ब्राह्मण समाज ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण सनातन संस्कृति के प्रेरणास्रोत हैं। उनका जीवन धर्म, न्याय, साहस और समाज सेवा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान समाज को नई दिशा देने का कार्य करता है और युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। समारोह में पूर्व मंत्री शैलेंद्र जोशी, पूर्व देवस्थान बोर्ड अध्यक्ष एसडी शर्मा, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा, आचार्य पुरुषोत्तम गौड़, मंडावर तहसील अध्यक्ष संतोष महंत, महवा तहसील अध्यक्ष ताराचंद शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मंचासीन रहे। सभी अतिथियों ने भगवान श्री परशुराम जी के आदर्शों पर चलने एवं समाज में शिक्षा, संस्कार और एकता को मजबूत करने का संदेश दिया। प्रतिभा सम्मान समारोह में शिक्षा, खेल, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं युवाओं को सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त करने वाले युवाओं के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर समाज के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। पूरे आयोजन के दौरान मंडावर कस्बा भगवा ध्वजों,स्वागत द्वारों और धार्मिक नारों से गूंजता रहा। लोगों ने इसे सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और युवा प्रेरणा का ऐतिहासिक आयोजन बताया।

स्काईलाइन हाउसिंग सोसायटी में निवर्तमान कार्यकारिणी पर फिर जताया भरोसा

▪ स्मार्ट हलचल

अगले दो वर्षों के लिए सर्वसम्मति से पुरानी टीम को सौंपी कमान

कोटा। राजीव गांधी नगर स्थित स्काईलाइन हाउसिंग सोसायटी की आमसभा रविवार को पूर्व निर्धारित सूचना के अनुसार आयोजित की गई। बैठक में सोसायटी के विकास कार्यों, भविष्य की योजनाओं तथा व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आमसभा की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि उपस्थित सदस्यों ने वर्तमान कार्यकारिणी के पिछले कार्यकाल में किए गए कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए पूरी टीम को वर्ष 2025-27 के लिए पुनः सर्वसम्मति से मनोनीत कर दिया। इसके चलते चुनाव की आवश्यकता नहीं पड़ी और पूरी कार्यकारिणी निर्विरोध चुनी गई। पुनः मनोनीत कार्यकारिणी में दीपक गर्ग को अध्यक्ष, लक्ष्मीकांत पारीक को सचिव तथा सुलोचना जैन को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं किशन अग्रवाल एवं वीरेंद्र कुमार जैन को उपाध्यक्ष, मिथुन मित्तल को सह सचिव तथा डॉ. अतुल राठौड़ को उप कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकारिणी सदस्यों में अर्पणा शर्मा, प्रवीण अग्रवाल, विमल जयवानी, महेंद्र खंडेलवाल एवं चित्रांशु वार्ष्णेय को शामिल किया गया है। सोसायटी सचिव लक्ष्मीकांत पारीक ने बताया कि नियमानुसार इस वर्ष द्विवार्षिक चुनाव प्रस्तावित थे, लेकिन सदस्यों ने वर्तमान टीम के कार्यों पर विश्वास जताते हुए सर्वसम्मति से पुनः मनोनयन का निर्णय लिया। अध्यक्ष दीपक गर्ग ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी सोसायटी की सुरक्षा, स्वच्छता, सुविधाओं और विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

राजकुमार लड्ढा भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मनोनीत

▪ स्मार्ट हलचल

कोटा। भारतीय उद्योग एवं व्यापार मंडल, नई दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कोटा के वरिष्ठ सामाजिक एवं व्यापारिक कार्यकर्ता राजकुमार लड्ढा को सदस्य मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता द्वारा वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सहमति से किया गया। देश में व्यापारिक एवं सामाजिक क्षेत्र में लड्ढा द्वारा किए गए कार्यों और सेवाओं को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने आशा व्यक्त की है कि वे प्रदेश और देशभर के व्यापारियों की समस्याओं के समाधान तथा उनके हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। राजकुमार लड्ढा वर्तमान में डिविजनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष हैं। इसके साथ ही वे लायंस क्लब कोटा एवं शॉपिंग सेंटर विकास समिति के अध्यक्ष पद का दायित्व भी निभा चुके हैं।

सांसद कोष से कड़ैल गांव को मिली 5 लाख की लाइब्रेरी , किया लोकार्पण

▪ स्मार्ट हलचल

पुष्कर /अजमेर/ पुष्कर के निकटवर्ती गाँव कडैंल में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा स्थानीय अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी रविवार को संसदीय क्षेत्र अजमेर के पुष्कर क्षेत्र स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में सांसद निधि से 5 लाख की लागत से निर्मित वाचनालय भवन का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री चौधरी ने कहा कि शिक्षा, पुस्तकालय एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएँ किसी भी समाज और क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव होती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से बेटियों और युवाओं को बेहतर शिक्षा एवं अध्ययन संसाधन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। चौधरी ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में पुस्तकालयों और वाचनालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह वाचनालय विद्यार्थियों एवं युवाओं के लिए अध्ययन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा ज्ञानवर्धन का बेहतर केंद्र बनेगा।

संसदीय क्षेत्र में सर्वांगीण विकास को लेकर प्रतिबद्धता* : केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कड़ैल ग्राम वासियों द्वारा दिए गए आत्मीय स्वागत, सम्मान एवं स्नेह के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार क्षेत्र की जनता के लिए बेहतरीन काम कर रही है। संसदीय क्षेत्र अजमेर और मोदी सरकार का प्रतिनिधि होने के नाते में संसदीय क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को लेकर प्रतिबद्ध हूं। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, कड़ैल सरपंच लक्ष्मी कंवर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यालय परिवार, भाजपा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

एक खुले मकान में मिला अधेड़ का शव-क्षेत्र में फैली सनसनी

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया-शिनाख्त नहीं हुई

टोंक/उनियारा। जिले के उनियारा सर्किल अन्तर्गत सोप थाना इलाके में रविवार शाम को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार सोप कंजर बस्ती रोड के पास स्थित एक खुले मकान में अधेड़ उम्र के व्यक्ति का शव पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही सोप थाना प्रभारी विनोद कुमार तथा अलीगढ़ थानाधिकारी राजकुमार चौधरी मय पुलिस जाप्ते के मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

ट्रैक्टर से उछलकर चालक गिरा, हुई दर्दनाक मौत

▪ स्मार्ट हलचल

लाखेरी - देईखेड़ा क्षेत्र के नोताडा में माताजी मंदिर से घाट का बराना जाने वाले ग्रेवल मार्ग पर शनिवार देर शाम एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। जानकारी के अनुसार खेड़िया दुर्जन गांव निवासी बुद्धिप्रकाश मीणा (45) पुत्र बंशीलाल मीणा ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर खेत की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक संतुलन बिगड़ने से वह चलते ट्रैक्टर से उछलकर नीचे गिर गए। गिरने के बाद ट्रैक्टर का टायर उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही देहीखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने आसपास के लोगों से जानकारी जुटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रविवार को चिकित्सक द्वारा पोस्टमार्टम किया गया बाद शव अंतिम संस्कार के लिये परिजनों को सोपा गया।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com